badhtikalam@gmail.com | Badhti kalam | 09887454960

भारत व राजस्थान सरकार के विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhtikalam.com

बिना फेवर, तीखे तेवर

बढ़ती कलम

सवाईमाधोपुर व करौली जिले में प्रसारित

वर्षः 13 अंकः 6 | गंगापुरसिटी. बुधवार 5 जनवरी, 2022 | कुल पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

गवर्नर सत्यपाल मलिक का एक और हमला

मोदी के कहने पर मैं शाह से मिला तो शाह ने कहा- लोगों ने इसकी अक्ल मार रखी है

बोले- किसानों के मुद्दे पर बात करने गया तो 5 मिनट में मेरी PM से लड़ाई हो गई

दावा- जब मैंने कहा कि 500 किसान मर गए तो मोदी बोले- मेरे लिए मरे हैं क्या?

कहा- कृषि कानूनों पर पीएम मोदी से मिला तो वे बहुत घमंड में थे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मेघालय के गवर्नर सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। हरियाणा के दादरी स्थित स्वामी दयाल धाम में माथा टेकने पहुंचे मलिक ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन जारी रहने के दौरान वे पीएम मोदी से मिले थे। जब मुलाकात हुई तो वे बहुत घमंड में थे। मलिक ने यह भी कहा कि जब वे गृह मंत्री अमित शाह से मिले तो उनका कहना था कि किसान आंदोलन को लेकर क्करूको गलत फीडबैक दिया गया है। सत्यपाल मलिक मेघालय से पहले जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रह चुके हैं। वे किसान आंदोलन के समय भी केंद्र सरकार पर हमला करते रहे हैं। दादरी में उन्हें फौगाट खाप ने सम्मानित किया। इसके बाद उन्होंने यह बातें कहीं।

यह कहा सत्यपाल मलिक ने

मलिक ने कहा, मैं किसानों के मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने गया। वहां मेरी 5 मिनट में लड़ाई हो गई। प्रधानमंत्री बहुत घमंड में थे। जब मैंने उन्हें कहा कि 500 लोग मर गए हैं, तो उन्होंने कहा- मेरे लिए मरे हैं? इस पर मैंने कहा कि आपके लिए तो मरे हैं, जो आप राजा बने हुए हो। वहां झगड़ा हो गया। सत्यपाल मलिक ने कहा कि मोदी ने उन्हें गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की सलाह दी। इसके बाद वे शाह से मिले तो शाह ने उनसे कहा कि सत्यपाल लोगों ने उन्हें गलत फीडबैक दिया है। तुम बेफिक्र रहो, मिलते रहो। किसी न किसी दिन उन्हें यह बात समझ आ जाएगी।

किसान आंदोलन फिर हो सकता है, पद छोड़ने तैयार

मलिक ने कहा कि किसान आंदोलन अभी खत्म नहीं, बल्कि स्थगित हुआ है। किसानों के साथ कोई नाइंसाफी या अत्याचार हुआ, तो यह दोबारा शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को किसानों को एमएसपी पर कानूनी गारंटी देनी चाहिए। सरकार को ईमानदारी दिखाते हुए किसानों पर दर्ज केस तुरंत वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए जरूरत पड़ी, तो वे गवर्नर का पद छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आश्वासन के बावजूद किसानों की मांगें अधर में

दिल्ली के बॉर्डर पर सालभर से बैठे किसानों ने 11 दिसंबर 2021 को केंद्र सरकार के लिखित आश्वासन के बाद घर वापसी की थी। केंद्र सरकार से किसान संगठनों को आश्वासन दिया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी जिसमें सरकारी अधिकारियों के अलावा खेती विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और किसान यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। हालांकि अभी तक इस कमेटी का गठन नहीं हुआ है।

आंदोलन के दौरान किसानों पर पुलिस ने हजारों केस दर्ज किए। सरकार ने ये केस वापस लेने का भी भरोसा दिलाया था मगर ऐसा नहीं हुआ है। हरियाणा में 48 हजार से ज्यादा किसानों पर दर्ज कुल 272 केसों में से 178 की चार्जशीट कोर्ट में फाइल हो चुकी है। 57 केस अनट्रेस थे जबकि 29 मामलों को रद्द करने की प्रक्रिया पेंडिंग है। सिर्फ 8 केसों के कैंसलेशन पेपर तैयार हुए हैं। किसान आंदोलन में मारे गए किसानों के आश्रितों को मिलने वाले मुआवजे को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। किसान संगठनों ने दावा किया था कि आंदोलन में 700 से ज्यादा किसानों की मौत हुई। साथ ही सरकार से सभी मृतक किसानों के परिवारों को मुआवजे की मांग की थी। किसानों ने मरने वाले किसानों के परिवारों को पंजाब की तर्ज पर मुआवजा और नौकरी देने की मांग की थी। यूपी और हरियाणा की भाजपा सरकारों ने इसे लेकर भरोसा दिया था मगर अभी तक बात आगे नहीं बढ़ी है। किसानों ने बिजली बिल और प्रदूषण कानून पर भी आपत्ति जताई थी। इस पर भी केंद्र सरकार ने अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं की है।

कोरोनाः 5 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 1% के ऊपर; जयपुर में सबसे ज्यादा 3 %

जयपुर (कासं)।

राजस्थान में कोरोना केस की रफ्तार बेकाबू होती जा रही है। जयपुर के अलावा अब दूसरे शहरों अजमेर, अलवर, कोटा, जोधपुर में भी केस लगातार बढ़ रहे हैं। इसके कारण राज्य में पॉजिटिविटी रेट 1 प्रतिशत को पार गया। 2 जनवरी को जयपुर के अलावा सिरोही, प्रतापगढ़, अजमेर, कोटा, जोधपुर में संक्रमण दर 1त्न से ज्यादा रही। 2 जनवरी को सबसे ज्यादा संक्रमण दर जयपुर में 3.45 फीसदी रही। इस बार कोरोना का ट्रेंड थोड़ा उल्टा देखने को मिला है। दूसरी लहर में सीमावर्ती जिलों डूंगरपुर,

बांसवाड़ा, उदयपुर में केस पहले बढ़ने लगे थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी जगह कोरोना की संक्रमण दर अगर 3 फीसदी से नीचे रहती है तो वह नियंत्रित मानी जाती है। इस नजरिए से जयपुर में अब संक्रमण नियंत्रण से बाहर माना जा रहा है। 2 जनवरी को जयपुर में 6496 लोगों की जांच की गई, जिसमें 224 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

एक सप्ताह में 900 से ज्यादा केस जयपुर में मिले

राजस्थान में पिछले एक सप्ताह की रिपोर्ट देखें तो जयपुर में सबसे ज्यादा केस मिले हैं। 27 दिसंबर से 2 जनवरी तक जयपुर में कुल 905 मरीज मिल चुके हैं, जबकि 30,358 लोगों की जांच हुई है।

जयपुर के बाद दूसरा नंबर जोधपुर का आता है। यहां एक सप्ताह में 150 मरीज मिले। इसके अलावा अजमेर और कोटा में 53-53, अलवर में 51 मरीज मिले हैं। उदयपुर, बीकानेर, भीलवाड़ा के अलावा प्रतापगढ़ में बीते एक सप्ताह में 20 से ज्यादा केस मिले हैं। प्रतापगढ़ प्रदेश का पहला ऐसा जिला है, जहां 18 या उससे ज्यादा उम्र के सभी लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज लग चुकी है।

ये जिले अब भी सुरक्षित

राजस्थान में 33 जिलों में से 9 जिले ऐसे हैं, जो अब भी कोरोना से बचे हुए हैं। इसमें सवाई माधोपुर, राजसमंद, नागौर, करौली, जालौर, जैसलमेर, डूंगरपुर, बूंदी और बारां शामिल हैं। इन जिलों में आज के दिन एक भी एक्टिव केस नहीं है।

3456 सेंटर्स पर लगाई गई कोवैक्सीन की डोज

राजस्थान में 15-18 एज ग्रुप का वैक्सीनेशन शुरू

माता-पिता की आईडी से भी रजिस्ट्रेशन

जयपुर (कासं)। राजस्थान सहित पूरे देश में सोमवार से 15 से 18 साल तक के एज ग्रुप के किशोरों का भी वैक्सीनेशन शुरू गया। राजस्थान का हेल्थ डिपोर्टमेंट इस एज ग्रुप की अनुमानित संख्या लगभग 53.15 लाख मान रहा है। केन्द्र सरकार ने ऐसे बच्चों की संख्या 46 लाख 51 हजार मानी है, जो रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के आधार पर तैयार की है। राज्य में आज कुल 3456 सरकारी सेंटर्स पर वैक्सीन लगाने की तैयारी है। जिन बच्चों के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड या स्कूल का आईडी कार्ड नहीं है, वे अपने माता-पिता, भाई-बहन के आईडी कार्ड से रजिस्ट्रेशन करवाकर वैक्सीन लगवा सकेंगे।

चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने बताया कि हमारा टारगेट जल्द से जल्द इस एज ग्रुप को वैक्सीनेट करने का है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन का हमारे पास अभी पर्याप्त स्टॉक है और केन्द्र सरकार से मांग के अनुरूप हमे वैक्सीन मिलती रही तो हम इसी महीने के अंत तक इस एज ग्रुप को वैक्सीन की कम से कम एक डोज लगा देंगे। चिकित्सा विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि राजस्थान में 10 जनवरी से स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 साल से ऊपर के एज ग्रुप के गंभीर रोगग्रस्त व्यक्तियों का भी प्रिकॉशन डोज का वैक्सीनेशन शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 15 से 18 वर्ष आयु के समस्त किशोर (2007 या उससे पूर्व में जन्मे बच्चे) वैक्सीन लगवा सकते हैं।

15.82 लाख वैक्सीन का स्टॉकः राजस्थान में टीकाकरण के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. रघुराज सिंह ने बताया कि 15.82 लाख डोज को-वैक्सीन स्टॉक में उपलब्ध है।

ओमिक्रॉन से बचाएगा बूस्टर डोज

वैक्सीन का तीसरा डोज ओमिक्रॉन के खिलाफ 88 प्रतिशत तक कारगर, दूसरा डोज 6 महीने बाद 48 प्रतिशत ही असरदार

नई दिल्ली। कोरोनावायरस की मौजूदा वैक्सीन्स का तीसरा डोज ओमिक्रॉन वैरिएंट के खिलाफ हमारी इम्यूनिटी 88 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। यह दावा ब्रिटेन में हुई एक हालिया रिसर्च में किया गया है। च्च हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी (UKHSA) की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरा डोज लेने के 6 महीने बाद ही उसका असर 52प्रतिशत कम हो जाता है। इसलिए कोरोना संक्रमण और गंभीर लक्षणों से बचने के लिए बूस्टर डोज लगवाना जरूरी है।

अस्पताल में भर्ती होने से बचाता है बूस्टर डोज

UKHSA की रिपोर्ट में ये साफ कहा गया है कि डेल्टा वैरिएंट की तुलना में बूस्टर डोज ओमिक्रॉन पर कम असरदार है। हालांकि, ये ओमिक्रॉन होने पर मरीजों को उन गंभीर लक्षणों से जरूर बचाता है, जिनसे अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आती है। हाल ही में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बताया था कि देश के ICUs में भर्ती 90 प्रतिशत कोरोना पीड़ितों को बूस्टर डोज नहीं लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, तीसरा डोज लेने के बाद वैक्सीन की प्रभावशीलता 52प्रतिशत से लेकर 88 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

मुंबई में 1 से 8वीं तक के सभी स्कूल 31 जनवरी तक बंद

कोरोना संक्रमण की रफ्तार को देखकर BMC ने लिया फैसला

नई दिल्ली (कासं)। कोरोना संक्रमण और ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने क्लास 1 से लेकर 8 तक के सभी स्कूलों को 31 जनवरी तक बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में इस समय सबसे ज्यादा 510 ओमिक्रॉन मामले हैं। कोरोना के रोजाना के मामले भी यहीं सबसे ज्यादा मिल रहे हैं। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए नगरपालिका ने यह फैसला लिया है। देश में कोरोना की तीसरी लहर की रफ्तार दूसरी लहर की तुलना में बेहद तेज है। दूसरी वेव की शुरुआत पिछले साल 12 फरवरी से हुई थी। तब एक हफ्ते में नए केस में 0.76त्न की बढ़ोतरी हुई थी। तीसरी वेव की बात करें तो इसमें नए केस के आंकड़ों में एक हफ्ते के अंदर करीब 199त्न की बढ़ोतरी देखी गई है। इसका मतलब यह कि इसकी रफ्तार पिछली वेव से करीब 262 गुना (199/0.76=262) ज्यादा है। आइए इसे आंकड़ों में और विस्तार से समझते हैं। देश में पिछले साल 11 फरवरी को कुल एक्टिव केस 1.33 लाख थे। इसके बाद इनमें लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों के खातों में ट्रांसफर की हजार रुपए की धनराशि, बोले-पहले हजम हो जाता था रुपया

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश में संगठित और असंगठित क्षेत्र के डेढ़ करोड़ कामगारों को बड़ी राहत प्रदान की। लोकभवन में मुख्यमंत्री ने आज एक कार्यक्रम में श्रमिकों के बैंक खातों में भरण-पोषण भत्ते के रूप में हजार-हजार 1000 रुपये की धनराशि आनलाइन ट्रांसफर की। श्रमिकों ने इसके लिए अपना रजिस्ट्रेशन करा रखा था और वह इसका इंतजार कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सात कामगारों को 1000 रुपये के चेक भी भेंट किए। लोक भवन के सभागार में आयोजित श्रमिकों के लिए भरण पोषण भत्ता वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले की सरकारों में मजदूर शोषण का शिकार होता था। आज को इनको सहायता राशि दी गई है, पहले उसका भी बंदरबांट होता था। पहले गरीबों का यही पैसा उन नेताओं के घरों में भरा जाता था, जिसे आज जेसीबी लगाकर नोटों की गड्डियों के रूप में निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तो लोग इसे स्वीकार भी कर रहे हैं क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है। 2017 से पहले श्रमिक शोषण का शिकार होता था, उसे शासन की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलता था। उसके पास न राशन कार्ड होता था, ना कोई ठिकाना होता था। किसी तरह मकान बन गया तो बिजली का कनेक्शन नहीं होता था।

लखीमपुर कांड में 5 हजार पेज की चार्जशीट पेश

मंत्री टेनी के बेटे आशीष को बनाया हत्या का आरोपी, रिश्तेदार वीरेंद्र पर भी साक्ष्य मिटाने का आरोप

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी हिंसा के आज 90 दिन पूरे हो चुके हैं। स्ढ्ढञ्ज ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि यह चार्जशीट 5 हजार पन्ने की है। इसमें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्र को हत्या का आरोपी बताया गया है। मंत्री के रिश्तेदार वीरेंद्र कुमार शुक्ला का नाम भी आरोपियों की सूची में जोड़ा गया है। शुक्ला पर साक्ष्य मिटाने का आरोप है। कोर्ट रूम के बाहर मीडिया से बातचीत में किसानों के वकील ने बताया कि चार्जशीट में मंत्री अजय मिश्रा का नाम जोड़ने की अर्जी भी दी गई थी, लेकिन

चार्जशीट में उनका नाम नहीं जोड़ा गया है।

लखीमपुर के तिकुनिया में 3 अक्टूबर को एक पत्रकार समेत 8 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले की जांच उत्तर प्रदेश स्ढ्ढञ्ज कर रही है। इस केस में मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा मोनू समेत 13 लोग न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर 6 जनवरी को सुनवाई होनी है।

यूरोप-अमेरिका के कोरोना मामलों में बड़ी गिरावट, 24 घंटे के अंदर पूरी दुनिया में 8.28 लाख नए केस मिले

रियाद (एजेंसी)। दुनियाभर में ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच अमेरिका और यूरोप में बीते 24 घंटे में कोरोना मामलों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यूरोप में शनिवार के 7.39 लाख कोरोना केस के मुकाबले रविवार को 3.68 लाख कोरोना केस मिले। वहीं, अमेरिका में शनिवार के 2.39 लाख केस के मुकाबले रविवार को 1.85 लाख कोरोना केस मिले। पिछले 24 घंटे में ब्रिटेन में 1.37 लाख, इटली में 61 हजार, फ्रांस में 58 हजार और कनाडा में 35 हजार नए कोरोना केस दर्ज किए गए हैं। वहीं, पूरी दुनिया में बीते दिन 8.28 लाख नए केस मिले हैं और 3,088 लोगों की मौत हुई है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन भी कोरान संक्रमित हो गए। ऑस्टिन ने बयान जारी कर बताया कि

रविवार को कुछ लक्षण नजर आने के बाद उनका टेस्ट करवाया गया, जिसमें वो कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। उन्होंने इसकी जानकारी राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी दी है। वहीं, बीते 24 घंटे में अमेरिका में कोरोना के 1 लाख 85 हजार 122 नए केस मिले हैं। अरब देशों में तमाम सख्ती के बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। सऊदी अरब में 24 घंटे में एक हजार से ज्यादा केस सामने आए। दूसरी तरफ, ⸝श्व में यह आंकड़ा ढाई हजार के करीब पहुंचा। एक और अहम खबर फ्रांस से आ रही है। यहां सरकार वैक्सीन न लगवाने वालों पर जुर्माना लगाने पर विचार कर रही है।

गल्फ में दिक्कत बढ़ी

सऊदी अरब में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच रविवार को हेल्थ मिनिस्ट्री ने एक हाईलेवल मीटिंग की। इसमें कुछ फैसले किए गए हैं। इनका ऐलान जल्द ही किया जाएगा। अगस्त के बाद पहली बार एक दिन में मिलने वाले मामलों का आंकड़ा एक हजार के पार हो गया। ⸝श्व में तो यह आंकड़ा 24 घंटे में ढाई हजार के करीब है। हालांकि, दोनों देशों ने अब तक यह साफ नहीं किया है कि इनमें से ओमिक्रॉन वैरिएंट के कितने केस हैं। वैसे दोनों ही देशों में ओमिक्रॉन का पहला केस दिसंबर में मिला था। सितंबर के बाद सऊदी में किसी भी महीने में 100 से ज्यादा केस नहीं मिले थे।

आईएएस की बहू ने जहर खाकर सुसाइड किया

2 महीने पहले ही हुई थी शादी, पिता को फोन कर कहा- पेट में दर्द हो रहा

जोधपुर (कासं)। विवाहिता ने सोमवार को जहर खाकर सुसाइड कर लिया। विवाहिता ढ्ढस् अधिकारी की बहू है। 2 महीने पहले ही शादी हुई थी। महिला ने घटना वाले दिन अपने पिता को फोन कर बोला था कि पेट में दर्द हो रहा है। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उसकी मौत हो गई।

पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम हुआ। रातानाडा थाना क्षेत्र के हाईकोर्ट कॉलोनी में आईएएस अधिकारी बीएल मेहरा का घर है, जो अजमेर में पोस्टेड हैं। उनके बेटे-बहू यहां रहते हैं।

दिसंबर माह में बेरोजगारी बढ़ी

देश में बेरोजगारी दर 7.91 प्रतिशत पर पहुंची, ओमिक्रॉन से आर्थिक सुधारों को नुकसान की आशंका

नई दिल्ली (कासं)। कोरोना की तीसरी लहर के बीच देश में बेरोजगारी फिर बढ़ने लगी है। प्राइवेट थिंक टैंक सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर में बेरोजगारी दर 7.9प्रतिशत रही जो नवंबर (7.0 प्रतिशत) के मुकाबले ज्यादा है। CMIE के अनुसार अगस्त 2021 (8.3 प्रतिशत) के बाद यह बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा है।

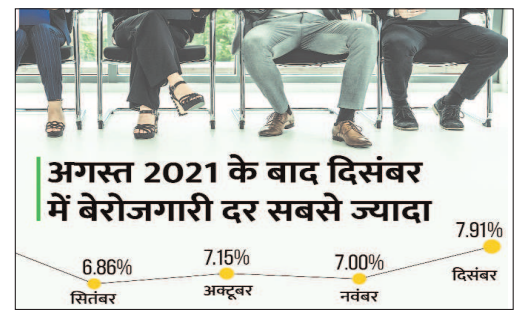

9 प्रतिशत पर पहुंची शहरी बेरोजगारी दर

CMIE के ताजा डेटा के मुताबिक दिसंबर में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 9.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है। नवंबर में ये 8.2त्न थी। ग्रामीण बेरोजगारी दर भी दिसंबर में बढ़कर 7.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है। कई अर्थशास्त्रियों को चिंता है कि ओमिक्रॉन पिछली तिमाही में देखे गए आर्थिक सुधार को नुकसान पहुंचा सकता है।

बेरोजगारी के लिहाज से देश के टॉप-5 राज्य

राज्यों की बात करें तो दिसंबर में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर हरियाणा की रही, यहां ये 34.1 प्रतिशत रही है। इसके बाद राजस्थान में 27.1प्रतिशत, झारखंड 17.3 प्रतिशत, बिहार 16 प्रतिशत और जम्मू-कश्मीर में 15त्न रही। राजधानी दिल्ली की बात करें तो दिसंबर में यहां बेरोजगारी की दर 9.8 प्रतिशत रही।

मई में बेरोजगारी दर 11.84त्न पर पहुंच गई थी

CMIE के मुताबिक 2021 में मई में बेरोजगारी दर 11.84 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली और ये सितंबर में 6.86 प्रतिशत पर आई थी, लेकिन अब ये फिर से बढ़ने लगी है।

इकोनॉमी की हेल्थ को दर्शाती है बेरोजगारी दर

CMIE के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत को बेरोजगारी दर सही तरह से दर्शाती है, क्योंकि यह देश की कुल जनसंख्या में कितने बेरोजगार हैं, इसको बताती है। थिंक टैंक को उम्मीद है कि रबी फसल की बुआई की शुरुआत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसका मतलब है कि चालू वित्त वर्ष में एग्री सेक्टर एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करेगा। इससे प्रवासी मजदूर खेतों की ओर वापसी करेंगे।

सम्पादकीय

देश में महिलाओं की स्थिति में सुधार लाना जरूरी

विश्व के हर समाज में चेतना और जड़ता का चक्र अनवरत चलता रहता है। चेतना के उत्कर्ष के काल में समाज प्रगति करता है, लेकिन अनेक कारणों से जब यह चेतना मंद पड़ने लगती है तब समाज में समग्रता और समरसता का भाव कमजोर पड़ता है। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय एकात्मता का भाव भी क्षीण होने लगता है। दुर्भाग्य से हमारा समाज जब ऐसी अवस्था से गुजर रहा था तभी भारत भूमि पर विदेशी हमले भी हुए। हमारा पूरा सामाजिक और शैक्षिक ताना-बाना बिखर गया। अंग्रेजों के शासन काल में स्त्रियों की शिक्षा-दीक्षा का क्रम बाधित होने के कारण समाज में एक अभूतपूर्व असंतुलन देखने को मिल रहा था। लोपमुद्रा, अपाला, गार्गी, मैत्रेयी, लीलावती जैसी ब्रह्मवादिनियों और विदुषियों के देश में स्त्री-शिक्षा का संकट आ चुका था, लेकिन भारतीय जिजीविषा का चमत्कार यही है कि यहां संकट स्थायी नहीं रहते। वे सामाजिक इच्छाशक्ति के सामने देर सबेर टूट ही जाते हैं। बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि भारतीय समाज के कलेवर और मानस में वह लचीलापन है, जिसके कारण अपने दोषों को दूर करने के लिए संशोधन का स्थान बना ही लेता है। 19वीं सदी में देश में सावित्रीबाई फुले नाम की एक मशाल जली जिसने अपने प्रकाश से अज्ञान के अंधियारे दौर को चुनौती देते हुए स्त्रियों की आधुनिक शिक्षा का एक विशेष उदाहरण प्रस्तुत किया। महाराष्ट्र के सतारा जिले के नईगांव कस्बे में तीन जनवरी, 1831 को जन्मी सावित्रीबाई का मात्र नौ वर्ष की आयु में विवाह कर दिया गया। बाल विवाह का दुर्भाग्य तो उनके हिस्से आया, लेकिन उनके पति ज्योतिबा के स्पष्ट सुधारवादी सामाजिक सोच के प्रभाव के कारण सावित्रीबाई आगे चल कर अनेक महिलाओं को बाल विवाह से बचाने और उनमें शिक्षा प्राप्त करने की भूख पैदा का माध्यम बनीं। तब एक प्रबल रूढ़ि थी कि महिलाओं को शिक्षित नहीं किया जाना चाहिए और उनका जल्द से जल्द विवाह करके 'बोझ' से मुक्त हो जाना चाहिए। सावित्रीबाई इस रूढ़िवादी सोच के विरुद्ध आवाज उठाईं और अपने द्वारा खोले गए विद्यालय में महिलाओं की शिक्षा की व्यवस्था कीं। जब वह स्कूल में छात्रओं को पढ़ाने जाती थीं तो उनके ऊपर पत्थर फेंके जाते थे। आज जब हम उनकी जयंती मना रहे हैं तो यह बहुत प्रासंगिक हो जाता है कि देश में महिलाओं की स्थिति पर चिंतन करें। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए सकारात्मक वातावरण बनाने में सभी को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ेगी। यह भी सत्य है कि यह परिवर्तन केवल महिला के जीवन सुधार से ही नहीं होगा, बल्कि पुरुष वर्ग को भी अपने दृष्टिकोण में व्यापक परिवर्तन करना पड़ेगा।

> **देश में महिलाओं की मौजूदा स्थिति पर ध्यान देना और उसको सुधारने की सख्त जरूरत है। हमारे समाज में महिलाओं की शिक्षा को लेकर जो हालात हैं वो सही नहीं है। आज भी बाल विवाह जैसी समस्या बनी हुई है।**

अपनी हरकतों से बाज नहीं आने वाला है पाकिस्तान, इसलिए रहना होगा अधिक सतर्क

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आने वाला है। वो अपने यहां से आतंकियों को भारत की सीमा में भेजना बंद नहीं करेगा। इसका सबूत हमारे सामने है भी। इसलिए भारत को पाकिस्तान से हमेशा की ही तरह सतर्क रहना होगा। इस नए वर्ष भी कुछ पुरानी चुनौतियां पहले की तरह बरकरार रहने वाली हैं, इसका प्रमाण है पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिश। वर्ष के पहले ही दिन पाकिस्तान बार्डर एक्शन टीम का एक आतंकी कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश में मारा गया। उसके पास से एके-47 समेत विस्फोटक भी बरामद हुए। पाकिस्तान की नागरिकता पहचान पत्र से लैस यह आतंकी सेना की वर्दी में भी था। साफ है कि पाकिस्तानी सेना ने उसे भेजा था। घुसपैठ की इस कोशिश के चंद घंटे पहले ही नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान हुआ था। पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों की शुभकामनाओं का जवाब भी दिया था, लेकिन उनसे पहले की ही तरह सावधान रहने और सीमा पर चौकसी बढ़ाने की जरूरत है। यह जरूरत इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि इसके कहीं कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैलाने और अपने यहां प्रशिक्षित आतंकियों की घुसपैठ कराने से बाज आने वाला है। घुसपैठ की ताजा कोशिश तो यही बता रही है कि बर्फबारी के बावजूद सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ कराने की कोशिश होती रहेगी। इस कोशिश को हर हाल में नाकाम करना होगा, क्योंकि पाकिस्तान इससे बेचैन नजर आ रहा है कि कश्मीर में सक्रिय आतंकियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है।

एक ऐसे समय जब जम्मू-कश्मीर पुलिस और वहां तैनात सुरक्षा बल आतंकियों के सफाये में जुटे हुए हैं और इसके चलते घाटी में उनकी संख्या 200 से भी कम रह गई है तब फिर इसके लिए हरसंभव उपाय करने होंगे कि सीमा पार से आतंकियों की नई खेप न आने पाए। यह भी उल्लेखनीय है कि कश्मीर के युवा आतंकी बनने के लिए सीमा पार जाने से मुंह मोड़ रहे हैं। यह एक शुभ संकेत है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें उकसाने और बरगलाने का काम अभी भी जारी है। इस काम में पाकिस्तान भी लिप्त है।

इसे देखते हुए पाकिस्तान और खासकर उसकी सेना को यह संदेश देना ही होगा कि आतंकियों की घुसपैठ की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी, क्योंकि अब यह खतरा उभर आया है कि पाकिस्तानी सेना आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए संघर्ष विराम समझौते का भी उल्लंघन कर सकती है। इसलिए कहीं अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इसी के साथ इस पर भी ध्यान देना होगा कि वे ताकतें नए सिरे से सिर न उठाने पाएं जो कश्मीर में माहौल खराब करने में जुटी हुई हैं। इन ताकतों के साथ उन नेताओं पर भी निगाह रखनी होगी जो रह-रहकर पाकिस्तान की भाषा बोलने लगते हैं। निस्संदेह ऐसे तत्वों के दुस्साहस का दमन हुआ है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे पूरी तौर पर निष्क्रिय नहीं हुए हैं।

देश में अहम सामाजिक बदलाव की आहट है एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट

डाक्टर सुरजीत सिंह। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी की गई राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण यानी एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट भारत में महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की एक झलक प्रस्तुत करती है। इसके अनुसार पहली बार लिंगानुपात में महिलाओं का अनुपात पुरुषों से अधिक हुआ है। 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएं हो गई हैं। यह परिवर्तन भारत के पितृसत्तात्मक समाज में होने वाले एक महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव की आहट है। एनएफएचएस-5 के आंकड़े बताते हैं कि शैक्षिक उपलब्धि, परिवार नियोजन विधियों का प्रयोग, आर्थिक स्वतंत्रता, घरेलू प्रबंधन तथा निर्णय लेने की क्षमता, स्वच्छता, स्वास्थ्य, परिवार और समाज आदि क्षेत्रों में महिलाओं के दखल में वृद्धि हुई है। आज प्रत्येक पांच में से चार महिलाएं अपने बैंक खाते संचालित करती हैं। फोन एवं इंटरनेट के उपयोग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। आर्थिक विकास एवं महिला साक्षरता ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। हालांकि कुछ विद्वानों का मत है कि एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट सर्वेक्षण पर आधारित होती है, इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले हमें जनगणना के आंकड़ों का इंतजार करना होगा। इस बहस में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लिंगानुपात प्रवृत्ति में निरंतर वृद्धि हो रही है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2021 में 156 देशों में भारत को 140वां स्थान मिला है। 2020 में 153 देशों में भारत 112वें स्थान पर था। ऐसी स्थिति में एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट को जनसांख्यिकीय बदलाव की दिशा में एक नई शुरुआत भी माना जाना चाहिए। 1991 की जनगणना में लिंगानुपात 927 था, जो 2011 की जनगणना में 943 हो गया। 1992 में होने वाले एनएफएचएस-1 में यह लिंगानुपात 944 था, जो 2015-16 में होने वाले एनएफएचएस-4 में बढ़कर 991 हो गया। आंकड़े बताते हैं कि लिंगानुपात में परिवर्तन की प्रवृत्ति वृद्धि की ही रही है। 2021 की जनगणना में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देगी। एनएफएचएस-5 ने भारतीय समाज की बहुत सी अवधारणाओं को नई दिशा दी है।भ्रूण हत्या के लिए अमर्त्य सेन ने 1990 में मिसिंग वूमेन शब्द का प्रयोग किया था तो पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे राष्ट्रीय शर्म करार देते हुए लड़कियों को बचाने के लिए धर्मयुद्ध का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनवरी, 2015 को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम की शुरुआत के साथ भ्रूण हत्या रोकने की अपील की थी। एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक लिंगानुपात केरल (1084) एवं हरियाणा में न्यूनतम (879) है। शहरों की तुलना में गांवों के लिंगानुपात में अधिक वृद्धि दर्ज की गई है।

> **भारत में पहली बार पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। इसका खुलासा एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट में हुआ है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अब 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएं हो गई हैं जो कि एक अच्छी बात है।**

एनएफएचएस-4 की तुलना में एनएफएचएस-5 में गांवों में यह अनुपात 1009 से बढ़कर 1037 हो गया है, जबकि शहरों में 956 से बढ़कर यह लिंगानुपात 985 हो गया है। लिंगानुपात के संदर्भ में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान आदि ने विशेष प्रगति दर्ज की है, जबकि दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा आदि में बहुत सुधार होना अभी बाकी है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम से समाज के मानसिक स्तर में बदलाव की शुरुआत अवश्य हुई है, परंतु समाज को महिलाओं के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के लिए अभी बहुत काम किया जाना शेष है। लिंगानुपात में होने वाले परिवर्तन के साथ देश के आर्थिक विकास में कुल श्रम में महिला सहभागिता को बढ़ाना आज की पहली आवश्यकता है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी 2001 में 38 प्रतिशत थी, जो 2020 में घटकर 26 प्रतिशत रह गई है। नीति आयोग की रिपोर्ट भी लगभग यही बात करती है। 2005-06 में महिला कार्यबल की दर 36 प्रतिशत थी, जो 2015-16 में घटकर 23.7 प्रतिशत रह गई है। कुल श्रम में महिला सहभागिता का कम होने का प्रमुख कारण कार्यस्थल पर महिलाओं का शोषण एवं समान कार्य के लिए समान वेतन न देना है। किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की प्रगति पर निर्भर करती है। महिलाओं को पढ़ने के अलावा अन्य क्षेत्रों में अवसर कम होने के कारण एक तिहाई से भी कम महिलाएं आय अर्जित कर पाती हैं। आर्थिक स्वतंत्रता की कमी के कारण एक चौथाई से अधिक महिलाएं वैवाहिक हिंसा का शिकार हैं। आज सशक्त महिलाओं को आगे आकर समाज के समक्ष ऐसे उदाहरण प्रस्तुत करने होंगे, जिससे अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो सकें एवं अपनी जिंदगी के फैसले खुद ले सकें। महिला शिक्षा पर बल, शिक्षा का समान वितरण, समान कार्य समान वेतन, वित्तीय निर्णय देने का अधिकार, संचार कौशल आदि में सशक्त होने से ही महिलाओं का जितना सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विकास होगा, उतना ही अधिक समाज में लिंगानुपात में महिलाओं के प्रतिशत में सुधार होगा। पुरुषों को भी महिलाओं के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा, ताकि समाज में महिलाओं को आजादी के साथ जीने का हक मिल सके। सरकारें लिंगानुपात को बढ़ाने के लिए हमेशा से ही प्रयासरत रही हैं, लेकिन योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन न होने के कारण इसका उचित लाभ महिलाओं को नहीं मिल सका है। समय की मांग है कि नीतियां बनाते समय महिलाओं की चुनौतियों को भी ध्यान में रखा जाए। राज्यों के साथ जिला एवं ब्लाक स्तर पर भी लिंग आधारित डाटा तैयार किया जाना चाहिए, जिससे प्रत्येक गांव की पहचान कर लिंगानुपात स्तर बढ़ाया जा सके। निर्भया फंड का इस्तेमाल न हो पाना इस ओर संकेत करता है कि हमें अभी और संवेदनशील बनने की जरूरत है। इसके लिए सरकार के साथ-साथ लोगों को भी सामूहिक जिम्मेदारी से कार्य करना होगा। **-छगन लाल शर्मा**

भारत ने न सिर्फ चीन को मजबूती से दिया जवाब बल्कि सैन्य क्षमता को भी किया मजबूत

वर्ष 2021 भारतीय रक्षा क्षेत्र के लिए विकास एवं उपलब्धियों वाला कहा जाएगा, क्योंकि इस वर्ष सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने वाले अनेक कार्य हुए और भारत रक्षा चुनौतियों से निपटने में सक्षम रहा। दुनिया में भारतीय सेना ने अपने पराक्रम से हमेशा सम्मान हासिल किया है। इस साल भी ऐसा ही हुआ। एलएसी पर चीन की नापाक हरकतों का मुहंतोड़ जवाब देते हुए देश ने अपनी रक्षा तैयारियों को और मजबूत किया। दरअसल चीन की सीमा पर 2020 में जो तनाव शुरू हुआ था वह पूर्णतया समाप्त नहीं हुआ है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश से लद्दाख तक, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा तक अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रखी है। साथ ही पाकिस्तान सीमा पर बढ़ती आतंकी घुसपैठ व गोलीबारी के कारण चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में हमने चीन और पाकिस्तान की इन हरकतों से निपटने के लिए अपने जवानों को आक्रामक तौर पर मजबूती प्रदान की है। सैन्य ताकत बढ़ाने के उद्देश्य से सेना को 15 दिनों के गहन युद्ध के लिए हथियार और गोला बारूद एकत्र रखने की छूट दी गई। पूर्वी लद्दाख में हाड़ जमा देने वाली ठंड में सेना के 50 हजार जवान तैनात हैं। इनकी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए डीआरडीओ ने कई ऐसी चीजें विकसित की हैं जो सैनिकों को काफी सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। सेना की आपूर्ति व्यवस्था में परेशानी न आए, इसके लिए सीमा पर सड़कों के निर्माण ने स्थिति को बेहतर बनाया है। इस वर्ष कई हथियारों का परीक्षण किया गया जिसके बाद उन्हें सेना को सौंप दिया गया। इनके मिलने के बाद सेना और मजबूत हुई।

वायु सेना : राफेल विमानों के आ जाने से भारतीय वायु सेना और मजबूत हो गई है। इन विमानों की तैनाती लद्दाख सीमा पर की गई जिससे चीन की किसी भी हरकत से निपटा जा सके। लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली मिटियार मिसाइलों से लैस राफेल विमान चीन के लिए बेहद घातक सिद्ध होंगे। दो इंजनों वाला यह विमान एक साथ कई हथियारों को ले जा सकने में सक्षम है। इस विमान का राडार 100 किलोमीटर के दायरे में 40 लक्ष्यों की जानकारी एक साथ देता है जिससे शत्रु के लक्ष्यों को निशाना बनाना आसान होगा। हल्के तेजस विमान भी मिग-21 विमानों की जगह ले रहे हैं।

राफेल और तेजस के अलावा सुखोई-30 एमकेआइ विमान भी चीन से टक्कर लेने को तैयार हैं। मिग-29 मल्टी रोल एयरक्राफ्ट हर मौसम में लड़ाई के लिए तैयार हैं। ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस सुखोई विमान लद्दाख सीमा पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना मिराज-2000 और जगुआर विमानों का भी इस्तेमाल करती है। ये अत्यंत तेज गति वाले विमान हैं। चीन से लगती सीमा के पास प्रमुख हवाई अड्डों पर दुनिया के सबसे हाइटेक मल्टीरोल हेलीकाप्टर अपाचे एवं चिनूक हर मोर्चे से निपटने के लिए तैनात किए गए हैं। इस तरह चीन और पाक से किसी भी स्थिति में निपटने को हमारी वायु सेना पूरी तरह से तैयार है।

नौसेना : हिंद महासागर क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए नौसेना का मुख्य फोकस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों की निगरानी बढ़ाने पर हो गया है। हिंदू महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने के लिए भारतीय नौसेना ने अपनी निगरानी क्षमता को बढ़ाने की योजना तैयार की है जिसके तहत आने वाले दिनों में नौसेना मानवरहित एरियल ड्रोन और अंडरवाटर सर्विलांस प्लेटफार्म्स की संख्या बढ़ाने की तैयारी में है। **-डॉ. सुमनलता शर्मा**

कोविड़-19 से लड़ने उतरे दो नये हथियार

'कॉर्बेवैक्स' एवं 'कोवोवैक्स'

भारत की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार और कोविड़-19 संक्रमण से बचाव के लिए, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने आपातकालीन स्थिति में कुछ एहतियाती सीमाओं के साथ कॉर्बेवैक्स, कोवोवैक्स वैक्सीन और संक्रमण-रोधी दवा मोलनुपिराविर 200द्वद्द के उपयोग को मंजूरी दी है। उपयोग करना ठीक है। आर. बी. डी. ने पहला स्थानीय रूप से निर्मित कॉर्बेवैक्स वैक्सीन बनाया है, जो एक प्रोटीन युक्त वैक्सीन है। हैदराबाद की कंपनी बायोलॉजिकल-ई ने इसे बनाया है। पुणे में सीरम इंस्टीट्यूट कोवोवैक्स वैक्सीन का उत्पादन करेगा। डेल्टा तनाव के खिलाफ एंटीबॉडी को बेअसर करने की प्रकाशित जांच के आधार पर, इन टीकाकरणों में रोगसूचक संक्रमण की रोकथाम के लिए 80 प्रतिशत की प्रभावशीलता है। कविशिल्ड वैक्सीन इम्युनोजेनिक श्रेष्ठता के समापन बिंदु के साथ किये गए निर्णायक चरण III के अध्ययन में यह कविशिल्ड वैक्सीन की तुलना में बेहतर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का प्रदर्शन करता है, वुहान स्ट्रेन और विश्व स्तर पर प्रमुख डेल्टा संस्करण के खिलाफ एंटीबॉडी जियोमेट्रिक मीन टाइटर्स (जीएमटी) को निष्क्रिय करने के लिये मूल्यांकन किया जाता है।

यह टीका एक प्रोटीन सबयूनिट वैक्सीन है, जिसका अर्थ है कि यह पूरे वायरस के बजाय एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए वायरस के टुकड़ों को नियोजित करता है। इस स्थिति में सबयूनिट टीकाकरण एक हानिरहित स्पाइक प्रोटीन है। एस प्रोटीन एक बड़ा, भारी ग्लाइकोसिलेटेड ट्रांसमेम्ब्रेन फ्यूजन प्रोटीन है जिसमें वायरस के प्रकार के आधार पर 1,160 से 1,400 अमीनो एसिड होते हैं। मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने और

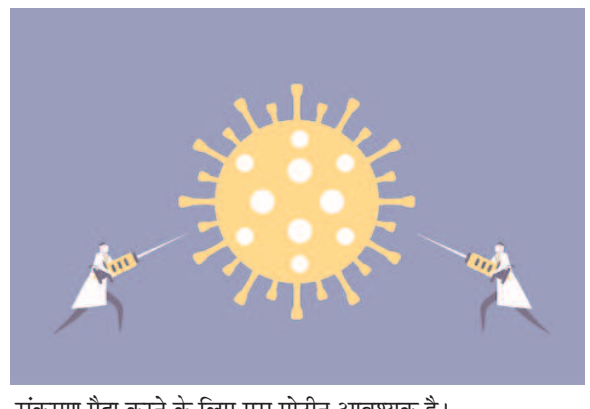

संक्रमण पैदा करने के लिए एस प्रोटीन आवश्यक है। जब प्रतिरक्षा प्रणाली एक प्रोटीन का पता लगाती है, तो बीमारी से लड़ने के लिए एंटीबॉडी का उत्पादन किया जाता है।

कोवोवैक्स, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा निर्मित एक पुनः संयोजक नैनोपार्टिकल वैक्सीन, एक प्रोटीन सबयूनिट वैक्सीन है जो रिकॉम्बिनेंट नैनोपार्टिकल टेक्नोलॉजी (आरएनटी) को भी नियोजित करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित कंपनी नोवावैक्स ने इसे बनाया है। कोविड-19 वायरस का मुकाबला करने का एक अन्य तरीका एक पुनः संयोजक प्रोटीन टीकाकरण का उपयोग करना है। स्पाइक प्रोटीन का उपयोग करते हुए, यह रणनीति शरीर को वायरल प्रतिरक्षा उत्पन्न करने का तरीका सिखाती है। कीट कोशिकाओं का उपयोग स्पाइक प्रोटीन की हानिरहित प्रतियां उत्पन्न करने के लिए किया जाता है, जिसे बाद में हटा दिया जाता है और वायरस जैसे नैनोकणों में इकट्ठा किया जाता है।

नोवावैक्स टीका आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है। एचपीवी और हेपेटाइटिस बी टीकाकरण दोनों एक ही तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। टीके का परीक्षण दो चरणों में तीन अध्ययनों में किया गया था, जिसमें यूनाइटेड किंगडम में एक शामिल है, जिसमें मूल वायरल स्ट्रेन के खिलाफ 96.4 प्रतिशत प्रभावकारिता, अल्फा के खिलाफ 86.3 प्रतिशत, और 89.7 प्रतिशत समग्र प्रभावकारिता दिखाई गई। एमआरएनए टीके एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए प्रोटीन का उत्पादन करते हैं। mRNA के टीके पारंपरिक टीकों की तुलना में विभिन्न लाभ प्रदान करते हैं, जिसमें तेजी से उत्पादन समय सीमा और वैक्सीन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को बीमारी के संचरण का कोई खतरा नहीं है। कोविड-19 जैसी महामारियों से बचाव के लिए टीकों का उपयोग किया जाता है क्योंकि यह एक मृत वायरस का उपयोग करता है। एक रोगाणु के विशिष्ट भाग, जैसे कि प्रोटीन, चीनी, या कैप्सिड, सबयूनिट, पुनः संयोजक, पॉलीसेकेराइड और संयुग्म टीके (रोगाणु के चारों ओर एक आवरण) में उपयोग किए जाते हैं।

टीकों के प्रकार

निष्क्रिय टीका : एक महत्वपूर्ण संख्या में सक्रिय रोगजनकों के बनने के बाद, वे रसायनों या गर्मी का उपयोग करके निष्क्रिय हो जाते हैं। रोगज़नक़ के विभिन्न तत्व, जैसे कि प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा पहचाने गए एंटीजन (रासायनिक संरचना), रोगज़नक़ की निष्क्रियता या प्रजनन क्षमता के नुकसान के बावजूद बरकरार रहते हैं। रोगज़नक़ अब न तो दोहरा सकता है और न ही बीमारी का कारण बन सकता है क्योंकि यह मर चुका है। इस प्रकार इसे कम प्रतिरक्षा वाले रोगियों, जैसे कि बुजुर्ग और सह-रुग्णता वाले रोगियों को जोखिम के बिना प्रशासित किया जा सकता है।

सक्रिय टीके : ये एक रोगाणु का उपयोग करते हैं जो कमजोर (या क्षीण) हो गया है। यह टीकाकरण महत्वपूर्ण और लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा पैदा कर सकता है क्योंकि यह एक वास्तविक बीमारी के बराबर है। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों, पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं, या जिनके अंग प्रत्यारोपण हुआ है, उन्हें स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायी से पहले परामर्श के बिना टीकाकरण नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इसमें कमजोर सक्रिय वायरस की थोड़ी मात्रा शामिल होती है।

सक्रिय टीके : ये एक रोगाणु का उपयोग करते हैं जो कमजोर (या क्षीण) हो गया है। यह टीकाकरण महत्वपूर्ण और लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा पैदा कर सकता है क्योंकि यह एक वास्तविक बीमारी के बराबर है। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों, पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं, या जिनके अंग प्रत्यारोपण हुआ है, उन्हें स्वास्थ्य देखभाल सलाहकार से पूर्व परामर्श के बिना टीकाकरण नहीं करवाया जाना चाहिए क्योंकि टीके में कमजोर सक्रिय वायरस की थोड़ी मात्रा शामिल है।

लेखक : अशोक शर्मा

होटल के सामने दबिश देकर पुलिस ने की कार्रवाई-पिकअप में प्लास्टिक के दो टैंक बना 2 हजार लीटर बायोडीजल की तस्करी करते 2 गिरफ्तार

खींवसर (कासं)। पुलिस ने बायो डीजल की तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक पिकअप को सीज कर दो हजार लीटर बायो डीजल बरामद कर दो जनों को हिरासत में लिया है। जिले में बायो डीजल का कारोबार फल-फूल रहा है। डीजल के बढ़ते दामों की वजह से जिले में बायो डीजल की तस्करी बढ़ती जा रही है। थानाधिकारी गोपालकृष्ण चौधरी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सोमवार रात को एनएच-62 पर लालावास मंदिर के पास महादेव होटल के सामने दबिश देकर एक पिकअप को पकड़ा। इसमें रखी दो प्लास्टिक टंकियों में करीब 2 हजार लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा हुआ था। इस दौरान मौके से दो जनों को हिरासत में भी लिया गया। पिकअप गाड़ी और दो प्लास्टिक टंकियों में करीब 2 हजार लीटर पेट्रोलियम पदार्थ को जब्त कर थाने लाया गया। वहीं आगे की कार्रवाई के लिए रसद विभाग टीम ने मंगलवार को कार्यवाही करते हुए प्रकरण दर्ज कराया गया।पुलिस ने पिकअप को भी किया जब्त, पेट्रोल पंप की तरह वाहन पर बना रखा सिस्टम पुलिस सूचना पर जब जोधपुर रोड पर पहुंची तो वहां एक पिकअप खड़ी थी, जिसमें दो टंकियां रखी हुई थी। वहीं पिकअप में बैठे दो युवकों से पूछताछ की तो वो संतुष्टिजनक जवाब नहीं दे पाए तथा हड़बड़ा गए थे। इस बाद उन्होंने अपना नाम शैतान राम मेघवाल निवासी डीडिया व राजू राम मेघवाल निवासी इग्यार बताया।वहीं टंकियों में बायो डीजल केमिकल होना बताया। इस बारे में जब लाईसेंस व परमिट मांगा तो नहीं होना बताया। इस पर अवैध बायो डीजल सप्लाई मामले में दोनों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान थानाधिकारी गोपालकृष्ण, कांस्टेबल बलदेवराम, सुनिल, भरत, महिला कांस्टेबल गुड्डू देवी ने कार्रवाई की। वहीं जिला रसद कार्यालय टीम द्वारा प्रकरण दर्ज किया गया। इस कार्रवाई से इलाके के कई बदमाशों में हड़कंप मच गया।खींवसर पुलिस की ओर से इससे पहले भी बदमाशों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

2000 लीटर बायोडीजल पकड़ा, दो आरोपियों को किया डिटेन-पुलिस ने मारी दबिश, सुचना पर पहुंची रसद विभाग की टीम कर रही है कार्रवाई

नागौर (कासं)। नागौर जिले में बायोडीजल का कारोबार फल-फूल रहा है। डीजल के बढ़ते दामों की वजह से जिले में बायोडीजल की तस्करी बढ़ती जा रही है। खींवसर पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए दो प्लास्टिक टंकियों में भरा 2 हजार लीटर अवैध बायो डीजल जब्त किया और दो जनों को हिरासत में लिया है। वहीं मौके से पिकअप वाहन को भी जब्त किया गया है। ये पूरी कार्रवाई मुखबिर की सुचना पर की गई। अब मंगलवार को रसद विभाग की टीम कार्रवाई कर रही है। खींवसर शो गोपालकृष्ण चौधरी ने बताया कि मुखबिर कि सुचना पर सोमवार को नेशनल हाईवे 62 लालावास मंदिर के पास महादेव होटल के सामने दबिश देकर एक पिकअप वहां को पकड़ा गया। इसमें रखी दो प्लास्टिक टंकियों में करीब 2 हजार लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा हुआ था। इस दौरान मौके से दो जनों को हिरासत में भी लिया गया। पिकअप गाड़ी और दो प्लास्टिक टंकियों में करीब 2 हजार लीटर पेट्रोलियम पदार्थ को जब्त किया।

करप्शन पर बोले सीएम गहलोत

बोले- मेरे पास जो विभाग, वहां भी भ्रष्टाचार; गारंटी नहीं ले सकता, वो भी अपने ही लोग हैं

जयपुर (कासं)।

सरकारी विभागों में फैले भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लाचारी जताते हुए यहां तक कह दिया कि जो विभाग उनके अंडर में हैं, उनमें करप्शन नहीं होने की गारंटी भी वे नहीं ले सकते। नवंबर में शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षक तबादलों में पैसा चलने के बयान पर सफाई में गहलोत ने कहा- मैंने जनरल बात पूछी थी, हर विभाग में होता है। शिक्षा विभाग की बात नहीं थी। जिनके पोर्टफोलियो मेरे पास होते हैं, क्या मैं गारंटी ले सकता हूं कि वहां कोई करप्शन होता ही नहीं होगा? वहां भी करप्शन होता है। वो लोग भी अपने ही लोग हैं। बाहर के लोग तो हैं नहीं कोई, विदेशी लोग थोड़े ही हैं। गहलोत पिंकसिटी प्रेस क्लब में मीडिया से बात कर रहे थे।

भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी नहीं मिलने के सवाल पर गहलोत ने कहा- कई बार हमें भी लगता है कि अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलती। एसीबी में केस दर्ज होने के बाद अभियोजन स्वीकृति देना या नहीं देना

संबंधित विभाग पर निर्भर करता है। कई बार परिस्थिति अलग होती है और केस दर्ज हो जाता है। बाद में जांच में मामला अलग निकलता है तो विभाग से स्वीकृति नहीं मिलती। देश में बहुत कम एंटी करप्शन डिपार्टमेंट होंगे जो हमारी एसीबी की तरह काम कर रहे हैं। हम लोग खुद मॉनिटरिंग करते हैं।

आईएएस, आईपीएस के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति राज्य नहीं केंद्र देता है

बड़े अफसरों के खिलाफ एसीबी में भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि इसका एक पूरा सिस्टम होता है।

आईएएस, आईपीएस, आईएफएस ऑल इंडिया सर्विस में आते हैं। ऑल इंडिया सर्विस से जुड़े अफसर भारत सरकार से कंट्रोल होते हैं और उनके खिलाफ अभियोजन स्वीकृति का फैसला वहीं से होता है। ऑल इंडिया सर्विस के अफसरों के खिलाफ राज्य सरकार अभियोजन स्वीकृति नहीं दे सकती। उनके खिलाफ भारत सरकार से ही मंजूरी मिलती है। राजस्थान के CM का टीचर्स से सवाल-गहलोत ने पूछा- तबादले के लिए पैसे खिलाने पड़ते हैं; शिक्षकों ने कहा- हां, देने पड़ते हैं

गहलोत ने कहा था- तबादले के लिए कई बार पैसे खिलाने पड़ते हैं

16 नवंबर को जयपुर में शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि हम सुनते हैं कि तबादले के लिए कई बार पैसे खिलाने पड़ते हैं। पता नहीं, आप बताइए सही है या नहीं, मुझे नहीं मालूम। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में बैठे शिक्षकों की तरफ से आवाज आई- हां, देने पड़ते हैं। गहलोत ने कहा था, क्या यह बात सही है? पैसे देने पड़ते हैं क्या? फिर आवाज आई- हां, देने पड़ते हैं। गहलोत बोले- कमाल है। यह बहुत ही दुखदाई बात है कि टीचर्स पैसे देकर ट्रांसफर करवाने को लालायित रहे। कोई पॉलिसी बन जाए, सबको मालूम रहे कि उसका तबादला कब होना है? तब फिर न पैसे चलेंगे, न रूरू के पास जाना पड़ेगा।

बयान के दो दिन बाद ही गहलोत ने दी थी सफाई

16 नवंबर को दिए बयान के दो दिन बाद ही 18 नवंबर को सीएम गहलोत ने यूटर्न लेते हुए दौसा में मीडिया से बातचीत में कहा था कि करप्शन की बात मैंने शुरू की। जो पकड़े जा रहे हैं, वे खाली शिक्षा विभाग के ही नहीं हैं। खाली टीचर की बात नहीं थी, वो बात थी कि हर डिपार्टमेंट में करप्शन होता ही है। सरकार की मंशा है कि उसे रोका जाए।

मुख्य सचिव ने किशोरों के कोविड वैक्सीनेशन का किया शुभारंभ

सभी लाभार्थियों का शत-प्रतिशत हो टीकाकरण

जिले में 205693 किशोरों के टीकाकरण का लक्ष्य

मास्टर आदित्येन्द्र सीनियर सैकेंडरी स्कूल में जिला स्तरीय शुभारंभ किया

भरतपुर (कासं)। सोमवार से जिले में 15 से 18 एज ग्रुप के लिए शुरू हुए कोविड-19 वैक्सीनेशन का निरंजन आर्य, मुख्य सचिव राजस्थान सरकार ने मास्टर आदित्येन्द्र सीनियर सैकेंडरी स्कूल में जिला स्तरीय शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से कार्ययोजना तैयार की जावे की जिले को मिले लक्ष्य अनुसार किशोर-किशोरियों का शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन किया जा सके। साथ ही 18 वर्ष से अधिक सभी लाभार्थियों का भी शत-प्रतिशत कोविड टीकाकरण करना सुनिष्चित किया जावे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी के स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशील है तथा कोविड की तीसरी लहर से बचने के लिए कोविड टीकाकरण अनिवार्य है। तथा राज्य सरकार द्वारा निर्धारित कोरोना प्रोट्रोकॉल का भी सख्ती से पालन किया जावे। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के साथ टीकाकरण के अनुभव भी शेयर किये।

बच्चों को भारत बायोटेक की तैयार की गई को-वैक्सीन लगाई जाएगी जो 18 साल या उससे ज्यादा एज ग्रुप को लगाई जा रहा रही है। वैक्सीन लगाने के लिए बच्चों को अपना आई कार्ड दिखाना होगा, जिनके पास सरकार का बना आईडी कार्ड नहीं है वह स्कूल का फोटो आईडी कार्ड भी दिखा कर वैक्सीन लगवा सकेगा। जहां पर वैक्सीन हो रहा है इन्हीं सेंटरों पर बच्चों का वैक्सीनेशन किया जाएगा अलग से व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिले में 15 से 18 इस ग्रुप के 205693 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य है

बच्चों के कोविड वैक्सीनेशन हेतु केवल को-वैक्सीन वैक्सीन का ही उपयोग किया जाएगा। टीकाकरण के लिए उनकी जन्मतिथि 2007 से पूर्व की होनी चाहिए।

सांसद रंजीता कोली ने बच्चों को कोविड वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित किया

भरतपुर (कासं)। सोमवार को माननीय भरतपुर सांसद रंजीता कोली राजकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय बयाना में 15-18 वर्ष के बच्चों को कोविड वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु टीकाकरण के शुभारंभ पर उपस्थित रही तथा आमजन को टीकाकरण हेतु प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश एक साथ कोरोना को हराने के लिए आगे बढ़ रहा है। आज से देश भर में 15-18 वर्ष के बच्चों को कोविड वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु टीकाकरण शुभारंभ हो गया है। माननीय भरतपुर सांसद रंजीता कोली भी भरतपुर जिले के राजकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय बयाना में 15-18 वर्ष के बच्चों को कोविड वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु टीकाकरण के अवसर पर उपस्थित रही। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के बयाना विधान सभा के सभी मण्डल अध्यक्ष एवं अन्य कार्यकर्ता भी विद्यालय में उपस्थित रहे। माननीय भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपने 15-18 वर्ष के बच्चों को टीका अवश्य लगवाएं। इस टीकाकरण के दौरान सांसद महोदया के विद्यालय में उपस्थित रहने पर बच्चों में उत्साह रहा तथा इस अवसर पर आमजन एवं टीका लगवाने आये बच्चो ने भी माननीय प्रधानमंत्री जी का कोरोना के विरूद्ध इस टीकाकरण अभियान के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने की 'इन्वेस्ट राजस्थान-2022' समिट की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि कोविड की विषम परिस्थितियों से प्रभावित अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ ही निवेश एवं रोजगार बढ़ाने में इन्वेस्ट राजस्थान समिट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग पूर्ण सहयोग एवं समन्वय की भावना से कार्य करें, ताकि अभी तक जो निवेश प्रस्ताव आए हैं वे धरातल पर उतरें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन सालों में राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लिए हैं, जिससे राजस्थान में निवेश के लिए सकारात्मक माहौल तैयार हुआ है। राज्य सरकार के इन फैसलों का लाभ समिट के दौरान मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में जयपुर के सीतापुरा स्थित जयपुर एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में 24-25 जनवरी को आयोजित होने वाली स्टेट इन्वेस्टर समिट 'इन्वेस्ट राजस्थान 2022' की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने किया सडक का लोकार्पण

भरतपुर (कासं)। सार्वजनिक निर्माण विभाग के मंत्री भजन लाल जाटव द्वारा जयपुर नेशनल हाइवे से उलूपुरा तक नवनिर्मित डामरीकृत सडक का लोकार्पण सोमवार को किया। सार्वजनिक निर्माण विभाग के मंत्री जाटव ने लोकार्पण करने के पश्चात सम्बोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे कोई कसर नहीं रखेंगे। उन्होंने कहा शीघ्र ही क्षेत्र की सडकों का नवीनीकरण एवं पुर्ननिर्माण का कार्य कराया जायेगा जिससे आमजन को आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैर विधानसभा क्षेत्र के साथ ही जिले में मेरी पहली प्राथमिकता सडक निर्माण कराने की होगी। उन्होंने घोषणा की कि हलैना से वैर वाया गोविन्दपुरा, नदबई से कुम्हेर वाया पैंगोर, नदबई से खेरलीगंज वाया कटारा, हलैना से खेरलीगंज वाया भूतौली मार्ग पर नैवाडा के पंचफल से खेरलीगंज, महवा से बयाना वाया निठार-कलसाडा, भुसावर से कलसाडा वाया वल्लभगढ, सेवर से हेलक, टुन्डा मोड से विदसा, चित्तोकरी से नगला धर्मसिंह, जयपुर नेशनल हाइवे बांसी से हेलक वाया झारौली का निर्माण तथा वैर से झील का वाडा सडक का चैडीकरण, मलाह से एनएच-21 का चैडाईकरण कराया जायेगा, जिनके विभाग के द्वारा प्रस्ताव तैयार किये जा रहे हैं। इस अवसर पर नगरपालिका भुसावर के चेयरमेन सुनीता प्रकाशचन्द जाटव, जिला परिषद सदस्य किशनसिंह, पंचायत समिति भुसावर के प्रधान सुफेदी, रामखिलाडी जाटव, तोताराम, ऋषि वदनपुरा व भगवानसिंह मौजूद रहे।

छात्राओं को हुआ नि:शुल्क साइकिल वितरण

भरतपुर (कासं)।

जुरहरा, भरतपुर रेखचन्द्र भारद्वाज- कस्बे के स्वतंत्रता सेनानी गुरूदयाल प्रसाद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को राज्य सरकार की निशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत कक्षा 9 व 10 वीं में अध्ययनरत छात्राओं के लिए निशुल्क रूप से साईकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्रीचंद्र गौड़ के मुख्य अतिथि एक सादा कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया साथ ही सभी से आवश्यक रूप से वेक्सिनेशन कराने की अपील की गई। स्वतंत्रता सेनानी गुरूदयाल प्रसाद बालिका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेन्द्रपाल सिंह ने बताया कि राज्य सरकार की नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत सोमवार को स्थानीय विद्यालय की कक्षा नवमी व दसवीं की 110 बालिकाओं को साइकिलों का वितरण किया गया है। इस मौके पर मुख्य रूप से जिला पार्षद प्रतिनिधि खुर्शीद अहमद जुरहरा, भाजपा नेता विनोद मानवी, कांग्रेस के एससी मोर्चा के कामां विधानसभा उपाध्यक्ष राजेंद्र सहसन, राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय के वैद्य नरेश गोपाल वार्ष्णेय सहित विद्यालय स्टाफ व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राज्य स्तर पर मंत्रालयिक कर्मचारियों का हुआ सम्मान

भरतपुर (कासं)। शिक्षा विभागीय राज्य स्तरीय मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारी पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 2021 के अंतर्गत भरतपुर संभाग से चार मंत्रालयिक कर्मचारियों का चयन शिक्षा विभाग द्वारा राज्य स्तरीय सम्मान के लिए किया गया । बीकानेर के वेटरिनरी ऑडिटोरियम , राजूवास में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री श्री बी. डी. कल्ला, निदेशक माध्यमिक शिक्षा श्री कानाराम , अतिरिक्त निदेशक श्रीमती रचना भाटिया व उच्चाधिकारियों द्वारा मुकेश कुमार गुप्ता, वरिष्ठ सहायक, कार्यालय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, भरतपुर संभाग, भरतपुर, कोमल सिंह मथुरिया, वरिष्ठ सहायक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), भरतपुर ,खेमचंद कश्यप, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजौर, करौली तथा अविनाश कुमार, वरिष्ठ सहायक, कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, गंगापुर सिटी को शॉल ओढाकर, साफा बांधकर, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शिविरा व विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक भेंट कर व ?11000 राशि का चैक प्रदान कर सम्मानित किया ।

राज्य सरकार की मंशा अनुरूप संवेदनशील होकर अधिकारी अंतिम छोर के पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से करें शत-प्रतिशत लाभान्वित - आर्य

भरतपुर (कासं)। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने समस्त संभाग स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे राज्य सरकार की मंशा अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति संवेदनशील एवं मानवीय होकर कार्य करें जिससे योजनाओं को धरातल पर लाकर शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित कराया जा सके। मुख्य सचिव आर्य सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित भरतपुर संभाग के संभाग स्तरीय अधिकारियों से विभागीय योजनाओं, फ्लैगशिप योजनाओं, मुख्यमंत्री एवं बजट घोषणाओं की उपलब्धियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से निर्धन एवं गरीब व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास किये हैं इसके लिए हमें शत-प्रतिशत लोगों को पंजीकृत कर इसके दायरे में लाना होगा तभी हम आम आदमी को इस योजना का लाभ दिला सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए वंचित लोगों को प्रेरित करने के लिए बीमा योजना के लाभों एवं लाभार्थियों की कहानियॉ समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित करायें। उन्होंने जिला कलक्टरों को निर्देश दिये कि वे ऐसा ऑनलाईन सॉफ्टवेयर तैयार करायें जिससे नि:शुल्क दवा एवं जांच योजनाओं में चिकित्सक पर्ची पर दवाओं के वितरण की मॉनिटरिंग की जा सके और रोगियों को बाजार से दवा खरीदने को मजबूर न होना पडे। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा नववर्ष में मिलावटखोरों के विरूद्ध शुरू किये गये शुद्ध के

लिये युद्ध अभियान का प्रभावी रूप से संचालन कर मिलावटखोरी पर कडी निगरानी रखें तथा अभियान में ऐसे लोगों के विरूद्ध कार्यवाही करें जिससे आमजन में सरकार के प्रति विश्वास कायम हो सके। उन्होंने राज्य सरकार के कोई भी गरीब एवं निर्धन व्यक्ति भूखा न रहें के संकल्प को पूरा करने के लिए संचालित इंदिरा रसोई योजना के तहत दिये जाने वाले खाने की गुणवत्ता एवं स्वच्छता पर निगरानी के साथ ही लाभार्थियों की संख्या का भी सत्यापन करायें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अंग्रेजी मीडियम विद्यालय योजना का सार्थक परिणाम लाने के लिए विशेष शिक्षकों का चयन कर नाम के अनुरूप शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखें जिससे गरीब परिवार के छात्रों को सहज एवं सुलभ अंग्रेजी शिक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे दिव्यांगजनों एवं सिलिकोसिस पीडितों के प्रति संवेदनशील होकर चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी करने के विशेष शिविर आयोजित कर लम्बित प्रकरणों को शून्य स्तर पर लायें जिससे राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके। उन्होंने 2 अक्टूबर से संचालित प्रशासन गॉवों के संग एवं प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के लिए फॉलोअप शिविर लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि कोविड से बचाव के लिए केवल टीकाकरण ही उपाय है इसलिए शत-प्रतिशत टीकाकरण करायें तथा टीकाकरण में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग आपेक्षित है। उन्होंने चम्बल पेयजल परियोजना के अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिये कि परियोजना के कार्यों को गति देकर निर्धारित समय पर पूरा करायें। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पेयजल योजना जल जीवन मिशन को राज्य सरकार के मंशा अनुरूप निर्धारित लक्ष्य के तहत समय पर पूरा कराने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य करें जिससे ग्रामीणजनों को स्वच्छ एवं गुणवत्ता पूर्ण पेयजल घर पर ही उपलब्ध हो सके। बैठक में जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उपखण्ड स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के तहत रूपवास में रीको एरिया मिलने पर स्टोन पार्क विकसित करने की संभावना को मद्देनजर रखते प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जा चुके है। बैठक में जिला कलक्टर धौलपुर राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि पालनहार योजना से शिक्षारत बच्चों को लाभान्वित करने के साथ ही दो से अधिक बच्चों को भी इस योजना से लाभान्वित कराने के लिए संशोधन कराया जावे। बैठक का संचालन करते हुए संभागीय आयुक्त पी.सी बेरवाल ने विभागवार एवं योजनावार जानकारी दी।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक प्रसन्न कुमार खमेसरा, जिला कलक्टर करौली सिद्धार्थ सिहाग, जिला कलक्टर सवाई माधोपुर राजेन्द्र किशन, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन बीना महावर, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर रघुनाथ खटीक, उप मुख्य वन संरक्षक अभिमन्यु सहारण, घना निदेशक मोहित गुप्ता, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सतीश कुमार सहित समस्त संभागीय जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं विभिन्न विभागों के संभाग स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने अपनी परिवेदनाऐं लेकर आये व्यक्तियों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी परिवेदनाऐं सुनी तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों को परिवेदनाऐं संवेदनशील होकर निस्तारण करने के निर्देश दिये। इससे पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य का कलैक्ट्रट परिसर में पहुँचने पर गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा लुपिन संस्था द्वारा जिले के प्रगतिशील किसान, महिला उद्यमियों एवं व्यवसाईयों द्वारा उत्पादित शहद, सब्जी, फलों, तुलसी माला एवं सिलाई उत्पादों का प्रदर्शन किया जिसका मुख्य सचिव द्वारा सराहना की गई।

बच्चों के वैक्सीनेशन सेन्टर का मुख्य सचिव ने किया शुभारम्भ

इससे पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने मास्टर आदित्येन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित 15 से 18 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों के लिए लगाये गये टीकाकरण कैम्प का शुभारम्भ करते हुए उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिये कि जिले में 15 से 18 वर्ष आयुवर्ग के 1 लाख 73 हजार बच्चों को समय पर टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे संभावित तीसरी लहर से बचाव हो सके। जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता ने बताया कि जिले में प्रथम डोज से वंचित लोगों को, द्वितीय डोज के पात्र व्यक्तियों के टीकाकरण किये जाने के साथ ही 15 से 18 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को टीकाकरण के लिए क्षेत्र के बडे विद्यालयों में वैक्सीनेशन सेन्टर स्थापित किये गये हैं जिससे उनका एक ही स्थान पर टीकाकरण किया जा सके।

बीकानेर का जूनागढ़ स्थापत्य शिल्प, भौगोलिक स्थिति, विलक्षण कला सज्जा का आश्चर्यजनक उदाहरण है। थार के रेतीले टीलों के बीच, जो कभी जांगलू प्रदेश के नाम से जाना जाता था।

जूनागढ़ : रेतीले टीलों के बीच स्थापत्य शिल्प और कलाकृति का अनूठा संगम

नक्काशीदार पत्थर व चित्रकारी अलंकृत है महल पर

शौर्य और सौंदर्य गाथाओं का बेजोड़ नमूना

बीकानेर की स्थापत्य व चित्रकला की अद्भुत संरचना

रंगों भरा राजस्थान, जहां के जनजीवन का उत्साह, गढ़ी, गढ़ और राजमहलों में सिमटा है, अपने सौंदर्य और शौर्य गाथाओं को सम्मोहित करने में बेजोड़ है। इन गढ़ो में बीकानेर का जूनागढ़ स्थापत्य शिल्प, भौगोलिक स्थिति, विलक्षण कला सज्जा का आश्चर्यजनक उदहारण है। थार के रेतीले टीलों के बीच, जो कभी जांगलू प्रदेश के नाम से जाना जाता था। बीकानेर किले को जूनागढ़ के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर की स्थापना जोधपुर के शासक राव जोधा के पुत्र राव बीका ने की थी और इसे सही रूप राजा राय सिंह ने दिया तथा इसे आधुनिक रूप देने का श्रेय महाराजा गंगा सिंह जी को दिया जाता है।

जैसलमेर से लाए पत्थरों से पोलों का निर्माण

दुर्ग की सूरजपोल मुख्य द्वार रही है। इसका निर्माण महाराजा गजसिंह के शासनकाल में किया गया था। पोल के निर्माण के लिए पत्थर जैसलमेर से लाया गया। सूरज प्रोल आकर्षक मेहराबदार बड़े कमरे के आकार में बनी है, जो दोनों तरफ खुलती है। इस पोल के पास भगवान गणेश का मंदिर होने के कारण इसको गणेश पोल के नाम से जाना जाता है। पोल से निकलते ही देवीद्वारा है जिसे देवी नवदुर्गा मंदिर भी कहा जाता है।

किले का इतिहास

बीकानेर में स्थित जूनागढ़ किला भारत के सबसे प्रभावशाली किले परिसरों में से एक है। बीकानेर शहर में बना होने के कारण इसे इसे बीकानेरी किला भी कहा जाता हैं। जूनागढ़ किला 1588 ई में राजा रायसिंह द्वारा बनवाया गया था। जूनागढ़ किला उन कुछ किलों में से एक है, जो एक पहाड़ी पर नहीं बने हैं। किले के परिसर में महल, आंगन, मंडप और बालकनी हैं। दीवारों के महल आदि नक्काशीदार पत्थरों, पत्थरों, चित्रों और जड़े हुए अर्ध-कीमती पत्थरों से अलंकृत हैं। किले की रक्षा करने वाले 37 गढ़ हैं और किले दो गेटों के माध्यम से सुलभ हैं। सूरज पोल या सूर्य द्वार जूनागढ़ किले का मुख्य द्वार है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जूनागढ़ किला अपने पूरे इतिहास में लगभग अप्रभावित रहा।

राजा रायसिंह ने करवाया था दुर्ग का निर्माण

बीकानेर के छठें शासक राजा रायसिंह ने नया दुर्ग चिंतामणि (वर्तमान जूनागढ़) को ईस्वी सन् 1589-1593 के बीच बनवाया। पूर्व में बीकानेर रियासत के राजाओं का बीकानेर में ही प्रवास रहता था। बीकानेर रियासत के अब तक हुए 24 राजाओं में से ज्यादातर सभी राजाओं ने इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जूनागढ़ किला बीकानेर का एक बड़ा आकर्षण है।

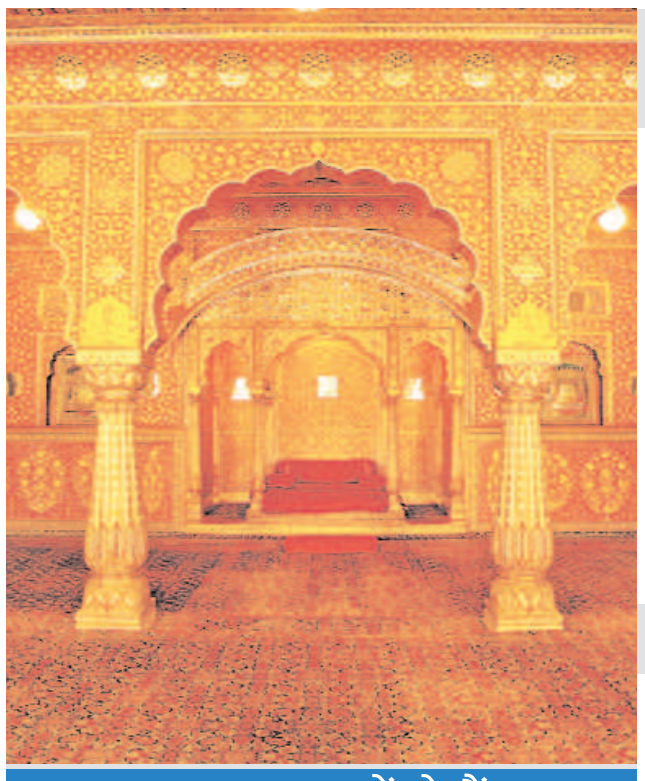

लाल बलुआ पत्थरों से हैं बना

इतिहास इस पूरे किले से बहुत गहरी जड़ों तक जुड़ा है इसलिए सैलानी इसकी ओर बहुत आकर्षित होते हैं। यह किला पूरी तरह से थार रेगिस्तान के लाल बलुआ पत्थरों से बना है। हालांकि इसके भीतर संगमरमर का काम किया गया है। इस किले में देखने लायक कई शानदार चीजें हैं। यहां राजा की समृद्ध विरासत के साथ उनकी कई हवेलियां और कई मंदिर भी हैं।

चतुष्कोणीय आकार में है दुर्ग

दुर्ग चतुष्कोणीय आकार में है, जो 1078 गज की परिधि में निर्मित है तथा इसमें औसतन 40 फीट ऊंचाई तक के 37 बुर्ज हैं। जो चारों तरफ से दीवार से घिरे हुए हैं। इस दुर्ग के 2 प्रवेश द्वार हैं- करण पोल व चांद पोल। करण पोल पूर्व दिशा में बनी है जिसमें 4 द्वार हैं तथा चांद पोल पश्चिम दिशा में बनी है, जो एक मात्र द्वार ध्रुव पोल से संरक्षित है। सभी पोलों का नामकरण बीकानेर के शाही परिवार के प्रमुख शासकों एवं राजकुमारों के नाम पर किया गया है।

रामसर कुआं

बीकानेरी दुलमेरा के लाल पत्थर से निर्मित तीन मंजिला दलेल निवास का निर्माण महाराजा गंगासिंह ने करवाया था। महाराजा दलेल सिंह, महाराजा गंगासिंह के पितामह थे। दलेल निवास के सामने एक गहरा कुआं है जिसे 'रामसर' के नाम से जाना जाता है। जूनागढ़ के विक्रम विलास की पेड़ी लाल पत्थर से बनी है, जो आज भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

संस्कृत और फारसी में लिखी पांडुलिपियां भी है मौजूद

इस किले में एक संग्रहालय भी है जिसमें ऐतिहासिक महत्व के कपड़े, चित्र और हथियार भी हैं। यह संग्रहालय सैलानियों के लिए राजस्थान के खास आकर्षणों में से एक है। यहां आपको संस्कृत और फारसी में लिखी गई कई पांडुलिपियां भी मिल जाएंगी। जूनागढ़ किले के अंदर बना संग्रहालय बीकानेर और राजस्थान में सैलानियों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण है। इस किला संग्रहालय में कुछ बहुत ही दुर्लभ चित्र, गहने, हथियार, पहले विश्वयुद्ध के बाइप्लेन आदि हैं।

महलों में दर्शाई बीकानेर की चित्रकला शैली

मीना ड्योढ़ी, करण महल, कुंवरपदा महल, अनूप महल, फूलमहल, बादल महल, चंदर महल, राय निवास कचहरी, सरदार निवास (बादल महल), सुर मंदिर चौबारा, गज मंदिर, चतर निवास, डूंगर निवास, लाल निवास, गंगा निवास महल एवं गंगा निवास दरबार हॉल में मुगल व बीकानेर की स्थापत्य व चित्रकला शैली को दर्शाया गया है।

पुलिस ने 5 हजार पन्नों की चार्जशीट में लखीमपुर की घटना को बताया सोची-समझी साजिश

केंद्रीय मंत्री ने कहा, पुलिस ने फर्जी तरीके से बनाया केस, आरोप सिद्ध हुआ तो दे दूंगा इस्तीफा

एजेंसी ▶▶ लखीमपुर खीरी

लखीमपुर खीरी मामले में पुलिस ने कोर्ट में पांच हजार पन्नों की चार्जशीट दायर कर दी है। इस चार्जशीट में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाया गया है। पुलिस के 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दायर कर दी है। 6 तारीख को 90 दिन पूरे होने वाले थे। अब इस मामले में कोर्ट में सुनवाई शुरू होने वाली है। इसमें कोर्ट का रुख आरोपियों के खिलाफ क्या रहता है, देखने वाली बात होगी। चार्जशीट में पुलिस ने घटना को सोची-समझी साजिश करार दिया है। लखीमपुर हिंसा मामले में पुलिस की ओर से दायर चार्जशीट में आशीष मिश्रा को मुख्य अभियुक्त बनाया गया है। सूत्रों ने बताया कि घटना के दौरान आशीष मिश्रा एसयूवर थार में मौजूद था। वहीं, उसका एक संबंधी वीरेंद्र शुक्ला घटना के समय स्कॉरपियो में मौजूद था। उसे भी किसानों पर एसयूवी चढ़ाए जाने और हिंसा मामले में आरोपी बनाया गया है। बताया जा रहा है कि वीरेंद्र शुक्ला उनके मामा हैं।

खास बातें

- पुलिस की चार्जशीट में आशीष मिश्रा को बनाया गया है मुख्य आरोपी
- 6 जनवरी को पूरे होंगे 90 दिन, पुलिस ने इससे पहले दायर की चार्जशीट

मामा पर लगा सबूत छिपाने का आरोप

आशीष मिश्रा के मामा वीरेंद्र शुक्ला को भी लखीमपुर खीरी कांड में आरोपी बनाया गया है। पुलिस की चार्जशीट में साफ किया गया है कि वीरेंद्र शुक्ला आशीष शुक्ला के पीछे वाली स्कॉरपियो में मौजूद थे। चार्जशीट में 14 अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। घटनास्थल पर किसी प्रकार की फायरिंग नहीं होने की बात भाजपा नेताओं की ओर से की जा रही थी। वहीं, किसानों की ओर से फायरिंग का आरोप लग रहा था। चार्जशीट में कहा गया है कि आशीष मिश्रा के पिस्तौल से फायरिंग हुई थी। इन तमाम मामलों ने अब केंद्रीय मंत्री के बेटे की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

घटनास्थल पर मौजूद थे मुख्य आरोपी आशीष

आशीष मिश्रा और उनके समर्थकों की ओर से कहा जा रहा था कि 3 अक्टूबर को जब लखीमपुर खीरी के तिकोनिया में हिंसा हुई तो उस समय अजय मिश्रा वहां मौजूद नहीं था। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी भी बेटे का बचाव करते रहे। वे कहते रहे हैं कि उनके बेटे को फंसाया जा रहा है। वह उनके साथ कार्यक्रम में मौजूद था। सूत्रों से आ रही रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने चार्जशीट में साफ किया है कि आशीष मिश्रा घटना के समय तिकोनिया में मौजूद था। वह अपनी थार एसयूवी में था, जिसने किसानों को कुचला था।

एसआईटी जांच में भी आशीष मिश्रा को बताया गया था मुख्य आरोपी

घटना के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर 6 जनवरी को सुनवाई होनी थी। नियम के अनुसार, घटना के 90 दिन के भीतर चार्जशीट दायर नहीं किए जाने की स्थिति में आशीष मिश्रा को जमानत मिल सकती है। हालांकि, पुलिस ने इससे पहले ही चार्जशीट दायर कर दी। इससे अब आशीष मिश्रा की मुश्किलें बढ़नी तय हैं। इससे पहले एसआईटी ने भी अपनी जांच में आशीष मिश्रा को घटना का मुख्य आरोपी बताया था।

कोर्ट से धारा बढ़ाने का किया था अनुरोध

लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में एसआईटी ने अपनी जांच में आशीष मिश्रा को दोषी करार दिया था। एसआईटी ने अदालत से धाराओं को और बढ़ाने का अनुरोध किया है। एसआईटी का कहना है कि घटना स्थल और इलेक्ट्रानिक गैजेट के जरिए जो जानकारी मिली है उससे पता चलता है कि गलत इरादे से आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को जमकर फटकार लगाई थी। इसके बाद एसआईटी का गठन कर जांच शुरू की गई।

खबर संक्षेप

सीएम के सामने भिड़े कांग्रेस विधायक- मंत्री

बेंगलुरू। कर्नाटक के रामनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक और भाजपा मंत्री के बीच शुरू हुई कहासुनी बाद में हाथापाई में बदल गई। इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी उपस्थित थे। कांग्रेस विधायक मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की उपस्थिति में मंच पर भाजपा के एक मंत्री से भिड़ गए।

दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से पहाड़ों पर बर्फबारी

नई दिल्ली। देश में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में भारी बदलाव होने जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ 03 से 05 जनवरी के बीच जबकि दूसरा 06 से 09 जनवरी के बीच सक्रिय हो रहे हैं। इनके अगले सात दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत को प्रभावित करने की संभावना है।

आईएसआईएस से संबंध के शक में महिला गिरफ्तार

मेंगलुरू। एनआईए ने पूर्व उल्लाल विधायक दिवंगत बी एम इदिनाबा के बेटे बीएम बाशा के घर पर छापा मारा और बाशा की बहू दीप्ति मरला उर्फ मरियम को आईएसआईएस से संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया। एनआईए ने मरियम को गिरफ्तार किया, जो बाशा के बेटे अनस अब्दुल रहिमन की पत्नी है।

भाजपा नेता को मिलती रहेगी गिरफ्तारी से सुरक्षा

नई दिल्ली। बंगाल भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को गिरफ्तारी से मिला संरक्षण जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालत 13 दिसंबर को ही इस मुद्दे पर गहराई से सुनवाई कर चुकी है।

कांग्रेस ने किए लुभावने वादे

कांग्रेस जीती तो महिलाओं को मिलेंगे प्रतिमाह 2 हजार रुपए, लड़कियों को स्कूटी

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

आगामी राज्य विधानसभा चुनावों से पहले मुफ्त उपहार के वादे के साथ मतदाताओं को लुभाने की दौड़ को आगे बढ़ाते हुए, पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने सोमवार को वादा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो महिला गृहणियों के लिए 2,000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। सिद्धू ने गृहणियों को हर साल आठ मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का भी वादा किया। राज्य कांग्रेस प्रमुख ने आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेजों में प्रवेश लेने वाली लड़कियों को दोपहिया वाहन, 12वीं कक्षा पास करने वालों को 20,000, 10वीं कक्षा पास करने वालों को 15,000 और पांचवीं कक्षा पास करने वालों को 5,000 रुपए देने का भी वादा किया।

महिलाओं की हालत सुधरने पर ही होगा प्रदेश का विकास

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के वादे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के वादे से काफी आगे हैं, जिन्होंने पंजाब में सभी महिलाओं को 1000 रुपए देने का वादा किया है, इसके अलावा उन्होंने यह भी वादा किया है कि अगर उनकी पार्टी चुनावी राज्यों पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में सत्ता में आती है, तो हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त घरेलू बिजली दी जाएगी।

गृहणियों को 8 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर बिना ब्याज दो लाख रुपए का कर्ज

कांग्रेस प्रदेश प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने ये घोषणाएं पंजाब के बरनाला जिले में आयोजित एक रैली में की। सिद्धू ने और कई ऐलान किए हैं। जिसमें पांचवीं पास बच्ची को देंगे- 5000, 10 पास बच्ची की -15000 और 12 वीं पास लड़की को 20000 देने के वादे के साथ कॉलेज के दाखिला पर्ची दिखाने पर लड़कियों को स्कूटी देने का ऐलान किया है। सिद्धू ने विदेश जाने वाली बच्ची को 1 टैबलेट देने और लड़कियों के नाम मिलकियत जमीन फ्री रजिस्टर्ड होने का वादा किया है। महिलाओं को घरेलू काम के लिए बिना ब्याज दो लाख रुपए का ऋण देने, पांच एकड़ से नीचे के किसान/मजदूर को रोजाना 400 रुपए देने का वादा किया है।

तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच एक हफ्ते में देश में तीन गुना बढ़ा संक्रमण

बढ़ते केसों का इफेक्ट: राजस्थान, मुंबई गोवा के स्कूल बंद, झारखंड में पाबंदियां

दिल्ली और मुंबई के बाद अब कोलकाता में भी नए मामलों ने बढ़ाई चिंता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में तीसरी लहर की आशंका के बीच एक बार फिर कोरोना के नए मामलों में भारी उछाल आया है। राज्यों से रविवार देर रात तक मिली सूचनाओं के मुताबिक 28 हजार से ज्यादा मामले मिले हैं। इनमें अभी कई राज्यों के आंकड़े शामिल नहीं हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 11,877 केस मिले हैं, जबकि बंगाल में 6,153 मामले पाए गए हैं। मुंबई में 8,063 मामले मिले हैं जो एक दिन पहले मिले मामलों से 27 प्रतिशत ज्यादा है। दिल्ली में 3,194 नए मामले पाए गए हैं जो एक दिन पहले के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा है। गोवा में संक्रमण दर बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गई है। संक्रमण बढ़ने के बाद झारखंड ने भी पाबंदियां बढ़ा दी हैं। देश में नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मामले 1700 से ऊपर निकल गए हैं। सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में हैं। महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों में उछाल देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना के 11,877 नए मामले सामने आए हैं। जबकि, 9 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। मुंबई में कोरोना के 8063 नए मामले दर्ज किए गए। पश्चिम बंगाल में भी कोरोना के मामलों में तेजी से

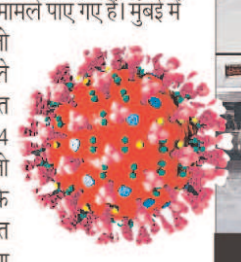

राजस्थान में 8वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए 9 तक स्कूल बंद

कोरोना की नई गाइडलाइन जारी

राजस्थान सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की है, जिसके तहत जिले में आठवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए स्कूल नौ जनवरी तक बंद रहेंगे। हालांकि, अन्य जगहों पर जिला कलेक्टर और शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से स्थिति को देखने के बाद फैसला लेंगे। राज्य के गृह विभाग द्वारा रविवार रात जारी किए गए नए दिशानिर्देशों के अनुसार, एक शादी समारोह में मेहमानों की संख्या क्रमशः 100 और अंतिम संस्कार में 20 लोगों तक सीमित कर दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने वालों को 10,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। साथ ही, दिशानिर्देशों के अनुसार, शादी समारोह के लिए एसडीएम से कानूनी अनुमति अनिवार्य है और इसका उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

गोवा में जल्द लगाया जाएगा रात का कर्फ्यू, बीएमसी ने 31 तक बंद किए सभी स्कूल

गोवा में स्कूल और कॉलेज 26 जनवरी तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। तटीय राज्य में कोविड के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर, कोविड प्रबंधन के लिए गोवा सरकार के टास्क फोर्स के सदस्य डॉ. शेखर साल्कर ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गोवा में भी जल्द ही रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक रात का कर्फ्यू लगाया जाएगा। इसी तरह मुंबई में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) ने पहली से नवीं तक की कक्षाओं के लिए सभी स्कूलों को 31 जनवरी तक के लिए बंद कर दिया है। हरियाणा में भी सभी यूनिवर्सिटीज और स्कूल-कॉलेज को 12 जनवरी तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। कोरोना के नए मामलों के बढ़ने के साथ ही उत्तर प्रदेश में ओमिक्रोन वैरिएंट ने दस्तक दे दी है। अमेठी में बीते दिनों ब्रिटेन से लौटे पति-पत्नी के ओमिक्रोन वैरिएंट से संक्रमित होने से जिले में खलबली मची है। इस बीच, प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 552 नए केस भी सामने आए हैं। केरल में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2802 नए मामले दर्ज किए गए, इस दौरान संक्रमित मरीजों में से 12 लोगों की मौत हुई। केरल में सोमवार को ओमिक्रोन वैरिएंट के 45 नए मामले मिले हैं।

पत्नी, बेटी और बहू के साथ कोरोना से संक्रमित हुए पूर्व सीएम मांझी

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतनराम मांझी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए हैं। मांझी के अलावा उनकी पत्नी, बेटी, बहू और 2 स्टाफ मेंबर सहित 18 सुरक्षाकर्मी भी कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। मांझी का पूरा परिवार ही कोरोना पॉजिटिव हो गया है। उनके परिवार में पत्नी शांति देवी, बेटी पुष्णा मांझी, बहू दीपा मांझी कोरोना से संक्रमित हो गई हैं। वहीं, निजी सचिव गणेश पंडित सहित 18 सुरक्षाकर्मी भी पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले सीएम नीतीश कुमार के जनता दरबार में 6 लोगों के कोरोना पॉजिटिव निकलने से हड़कंप मच गया था। सोमवार को मुख्यमंत्री के जनता दरबार में शामिल होने पहुंचे जो 6 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं, वे सभी सासाराम से आए थे।

कोरोना की चपेट में प्रेम चोपड़ा व उनकी पत्नी और एकता कपूर

हरियाणा के कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा फिर कोविड संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने आरटीपीसीआर टेस्ट कराया था, जिसमें वह संक्रमित निकले। उधर मुंबई में खबर है कि 'टवी क्वीन और फिल्म डायरेक्टर-प्रोड्यूसर एकता कपूर को भी कोरोना हो गया है। उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एकता कपूर ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। आज सुबह ही जॉन अब्राहम और उनकी पत्नी प्रिया रुंचाल के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की खबर आई है। इतना ही नहीं एक्टर नकुल मेहता के 11 महीने के बेटे की कोविड रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।बॉलीवुड में पिछले कुछ दिनों में सीमा खान, करीना कपूर खान, अर्जुन कपूर, रिया कपूर, नोरा फतेही, मृणाल ठाकुर कोरोना के शिकार हो चुके हैं।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष की गिरफ्तारी निंदनीय : नड्डा

कहा,भाजपा की राज्य में बढ़ रही लोकप्रियता से घबराई केसीआर सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमार की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने एक बयान में कहा कि बंदी के साथ तेलंगाना की केसीआर सरकार के दवाब में तेलंगाना पुलिस ने जिस तरह अमानवीय तरीके से ऑफिस में घुस कर मारपीट की, पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर अंधाधुंध लाठीचार्ज किया और अकारण उन्हें गिरफ्तार किया, यह अत्यंत दुःखद एवं निंदनीय है। यह तेलंगाना सरकार द्वारा लोकतंत्र की हत्या का जीवंत उदाहरण है। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना सरकार के इस कुत्सित प्रयास की कड़ी भर्त्सना करती है।

भाजपा का कहना है कि तेलंगाना में प्रदेश सरकार के आदेश संख्या 317 को रद्द करने हेतु

सरकारी शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रति एकजुटता दिखाने और उन्हें समर्थन देने के लिए हमारे प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने शांतिपूर्ण तरीके से सरकार के मनमाने आदेश का विरोध करने हेतु कोविड के सभी मानदंडों का पालन करते हुए करीमनगर में अपने लोक सभा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक रात का जागरण उपवास रखा था। लेकिन तेलंगाना की केसीआर सरकार इस शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन से भी डर गई। भाजपा का आरोप है कि प्रदेश की केसीआर सरकार द्वारा राजनैतिक विद्वेष के चलते प्रदेश पुलिस के माध्यम से अमानवीय बल प्रयोग करवाया गया। तेलंगाना पुलिस ने संजय कुमार के ऑफिस में जागरण दीक्षा को रोकने के लिए जबरदस्ती घुस कर ऑफिस के गेट को कटर से काट कर हमारे प्रदेश अध्यक्ष पर क्रूर हमला किया। पुलिस ने बंदी संजय कुमार के साथ-साथ कई पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं जिसमें महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं, के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की और जबरन उन्हें गिरफ्तार किया। नड्डा ने कहा है कि तेलंगाना सरकार उप-चुनावों में भाजपा को मिली शानदार जीत और प्रदेश में भाजपा के प्रति बढ़ रहे समर्थन एवं लोकप्रियता से बौखला गई है, इसलिए हताशा में इस तरह की अमानवीय कार्रवाई कर रही है।

पीएम मोदी आज पंजाब को देंगे 42 हजार करोड़ रुपए की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पंजाब के फिरोजपुर का दौरा करेंगे। इस दौरान राज्य में 42,750 करोड़ से अधिक की लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। मोदी दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे, अमृतसर-ऊना खंड को चार लेन में परिवर्तित करने, मुकेरियां-तलवाड़ा रेल लाइन का आमान परिवर्तन, परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। पूरे देश में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए प्रधानमंत्री की लगातार कोशिश से पंजाब में कई हाईवे के विकास की शुरुआत हुई है। जिससे राज्य में हाईवे की कुल लंबाई 2021 में 4100 किलोमीटर हो गई है।

लड़कियों की शादी वाले बिल पर उठे सवाल

शिवसेना सांसद ने पूछा 31 सांसदों की समिति में केवल एक महिला क्यों?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

महिलाओं की शादी की उम्र लड़कों के बराबर 21 साल किए जाने वाला संसदीय प्रस्ताव कानून का शक्ल अख्तियार करे उससे पहले बड़े विमर्श के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष रखा गया है। लोकसभा और राज्यसभा के कुल 31 सांसदों को समिति का सदस्य बनाया गया है। समिति विभिन्न संस्थाओं, विशेषज्ञों और सामाजिक रीति रिवाजों पर गहरी जानकारी रखनेवाले कुछ समाजशास्त्रियों के साथ बैठ कर सामूहिक रूप से विचार करेगी।

उच्चाधिकार प्राप्त समिति का प्रारूप बदलने की जरूरत

जाहिर है उनमें महिलाओं के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं द्वारा संचालित स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को को भी आमंत्रित किया जा रहा है। मगर इन सबके बीच शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट कर समिति के प्रारूप पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। उन्होंने लिखा, महिलाओं के भविष्य तय करने वाली विधेयक पर चर्चा, बहस, विमर्श के लिए बनाई गई 31 सदस्यीय समिति में केवल एक महिला सांसद को रखा गया है। ये कहां तक उचित है? समिति में तृणमूल कांग्रेस की सांसद सुष्मिता देव को शामिल किया गया है। इस पर संसदीय सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि समिति का गठन के लिए विभिन्न दलों के नेताओं से नाम मांगे गये थे जो नाम आए, राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू की सहमति से समिति का गठन कर दिया गया।

कल होगी समिति की पहली बैठक

विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि आगामी बुधवार को समिति की पहली बैठक प्रस्तावित की गई है जिसमें विधेयक पर किस तरह खुली बहस कराई जाए उस पर विचार किया जाएगा। जाहिर है संसदीय परंपराओं के अनुकूल 'प्रोहिबिशन ऑफ चाइल्ड मैरिज (अमेंडमेंट) बिल 2021' पर चर्चा के लिए सुधिजनों से भी राय मंगाई जाएगी। इसके लिए बकायदा संसद की वेबवाइट पर जानकारी दी जाएगी। विदित हो कि हाल ही में चुनावी भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विधेयक का खुलकर समर्थन किया था। अभी शादी की उम्र और वोट डालने की उम्र 18 वर्ष रखी गई है।

मेघालय के गवर्नर सत्यपाल मलिक के एक बार फिर विवादित बोल

कृषि कानूनों को लेकर पीएम मोदी को दिया गया था बहुत ही गलत फीडबैक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मेघालय के गवर्नर सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। हरियाणा के दादरी स्थित स्वामी दयाल धाम में माथा टेकने पहुंचे मलिक ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन जारी रहने के दौरान वे पीएम मोदी से मिले थे। जब मुलाकात हुई तो वे बहुत घमंड में थे। मलिक ने यह भी कहा कि जब वे गृह मंत्री अमित शाह से मिले तो उनका कहना था कि किसान आंदोलन को लेकर पीएम को गलत फीडबैक दिया गया है। सत्यपाल मलिक मेघालय से पहले जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रह चुके हैं। वे किसान आंदोलन के समय भी केंद्र सरकार पर हमला करते रहे हैं। दादरी में उन्हें फौगाट खाप ने सम्मानित किया। इसके बाद उन्होंने यह बातें कहीं।

खास बातें

- किसानों के मुद्दे पर बात करने गया तो पांच मिनट में हो गई पीएम मोदी से लड़ाई
- जब मैंने कहा 500 किसान मर गए हैं, तो पीएम मोदी बोले मेरे लिए मरे

पीएम मोदी से पांच मिनट में ही हो गई थी लड़ाई

मलिक ने कहा, 'मैं किसानों के मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने गया। वहां मेरी 5 मिनट में लड़ाई हो गई। प्रधानमंत्री बहुत घमंड में थे। जब मैंने उन्हें कहा कि 500 लोग मर गए हैं, तो उन्होंने कहा- मेरे लिए मरे हैं? इस पर मैंने कहा कि आपके लिए तो मरे हैं, जो आप राजा बने हुए हो। वहां झगड़ा हो गया। सत्यपाल मलिक ने कहा कि पीएम मोदी ने उन्हें गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की सलाह दी। इसके बाद वे शाह से मिले तो शाह ने उनसे कहा कि सत्यपाल लोगों ने उन्हें गलत फीडबैक दिया है। तुम बेफिक्र रहो, मिलते रहो। किसी न किसी दिन उन्हें यह बात समझ आ जाएगी।

किसान आंदोलन फिर हो सकता है, पद छोड़ने को तैयार: *मलिक ने कहा कि किसान आंदोलन अभी खत्म नहीं, बल्कि स्थगित हुआ है। किसानों के साथ कोई नाइंसाफी या अत्याचार हुआ, तो यह दोबारा शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को किसानों को एमएसपी पर कानूनी गारंटी देनी चाहिए। सरकार को ईमानदारी दिखाते हुए किसानों पर दर्ज केस तुरंत वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए जरूरत पड़ी, तो वे गवर्नर का पद छोड़ने के लिए तैयार हैं।*

आश्वासन के बावजूद किसानों की मांगें अब भी अधर में लटकीं

दिल्ली के बॉर्डर पर सालभर से बैठे किसानों ने 11 दिसंबर 2021 को केंद्र सरकार के लिखित आश्वासन के बाद घर वापसी की थी। केंद्र सरकार ने किसान संगठनों को आश्वासन दिया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी जिसमें सरकारी अधिकारियों के अलावा खेती विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और किसान यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। हालांकि अभी तक इस कमेटी का गठन नहीं हुआ है। आंदोलन के दौरान किसानों पर पुलिस ने हजारों केस दर्ज किए। सरकार ने ये केस वापस लेने का भी भरोसा दिलाया था, मगर ऐसा नहीं हुआ है। हरियाणा में 48 हजार से ज्यादा किसानों पर दर्ज कुल 272 केसों में से 178 की चार्जशीट कोर्ट में फाइल हो चुकी है। 57 केस अनट्रेस थे जबकि 29 मामलों को रद्द करने की प्रक्रिया पेंडिंग है।

मलाइका से 12 साल छोटे होने पर बोले अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा अब एक-दूसरे के लिए अपना प्यार दुनिया से छिपाते नहीं हैं। सोशल मीडिया पर भी दोनों अक्सर एक-दूसरे के लिए प्यार जताते रहते हैं। अर्जुन से जब उनके और मलाइका के एज डिफरेंस की वजह से ट्रोलिंग की बात कही गई तो उन्होंने जवाब दिया कि ऐसी निगेटिविटी को अहमियत नहीं देनी चाहिए क्योंकि यह फेक है। मलाइका और अर्जुन में 12 साल का फर्क है। सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर अक्सर दोनों को ट्रोल किया जाता है। हालांकि मलाइका-अर्जुन को इस तरह की निगेटिविटी से कोई फर्क नहीं पड़ता।

अर्जुन बोले, हम नहीं पढ़ते कॉमेंट्स

मलाइका अरोड़ा अर्जुन कपूर से 12 साल बड़ी हैं। दोनों के अफेयर की खबरें जब सामने आईं तो सबसे ज्यादा चर्चा उनकी उम्र में अंतर को लेकर रहा। इस बारे में अर्जुन कपूर का कहना है कि जब तक लोग उनके काम को नोटिस कर रहे हैं, बाकी सब बेकार का शोर है। अर्जुन कपूर की उम्र 36 साल है वहीं मलाइका 48 साल की हैं। अर्जुन ने कहा कि उम्र को रिलेशनशिप का आधार बनाना मूर्खता है। मसाला.कॉम से बात करते हुए अर्जुन ने कहा, पहली बात तो मीडिया ही लोगों के कॉमेंट्स देखती है, हम इनमें से 90 फीसदी नहीं देखते। ट्रोलिंग को इतनी अहमियत नहीं दी जा सकती क्योंकि ये फेक होती है।

बोले अर्जुन, जियो और जीने दो

यही लोग जब मिलते हैं तो मेरे साथ सेल्फी लेने के लिए मरते हैं, इसलिए इन बातों को इतनी इम्पॉर्टेंस नहीं दी जा सकती। मैं अपनी निजी जिंदगी में क्या कर रहा हूं ये मेरा मामला है। जब तक मेरे काम को पहचाना जा रहा है, बाकी सब सब फालतू का शोर है। साथ ही किसकी क्या उम्र है, आप इसको लेकर इतने परेशान नहीं हो सकते। इसलिए जियो, जीने दो और आगे बढ़ो।

रणवीर सिंह की फिल्म ने फिर लिया यू-टर्न

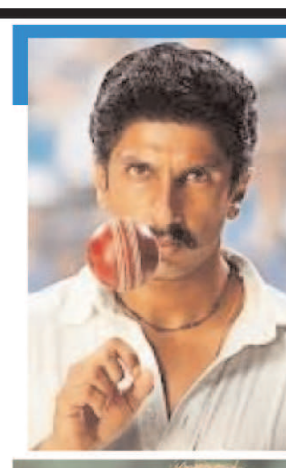

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म '83' ने एक बार फिर से जोरदार कमबैक दिखाया है। एक तरफ जहां अधिकतर राज्यों ने आंशिक या पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया है वहीं दूसरी तरफ दूसरे हफ्ते में बिजनेस ने जबरदस्त ग्रोथ दिखाई है। शुक्रवार को 4.36 करोड़ की कमाई करने के बाद शनिवार को इसने 7.25 करोड़ रुपये का बिजनेस किया जो कि बहुत शानदार ग्रोथ है। कोविड के चलते बॉक्स ऑफिस पर 83 की रफ्तार थोड़ी धीमी जरूर पड़ी थी लेकिन शनिवार और रविवार को फिल्म के बिजनेस ने एक बार तेजी पकड़ी है। रणवीर सिंह की फिल्म ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि इसके लिए 'क्रैश' जैसे शब्दों का इस्तेमाल गलत होगा।

क्या बोले एनालिस्ट तरण आदर्श

फिल्म अभी तक 83.96 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है और इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 150 करोड़ के आसपास पहुंच चुका है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म के बारे में लिखा, '83 के बिजनेस में दूसरे शनिवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिला। हॉलीवुड पीरियड ने फिल्म को जरूरत के मुताबिक बूस्ट दिया है। खास तौर पर मेट्रो शहरों में रविवार को भी मल्टीप्लेक्सेज में मजबूती दिखाई पड़ी।

'पुष्पा' की ऊंची छलांग

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की 'पुष्पाः द राइजः अभी थमने के मूड में बिल्कुल नहीं है। निर्देशक सुकुमार की फिल्म दक्षिण भारतीय भाषाओं के अलावा हिन्दी वर्जन में भी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। अपने तीसरे हफ्ते में फिल्म जिस तरह का प्रदर्शन कर रही है उसे देखकर सभी हैरान हैं। समीक्षकों का मानना है कि 'पुष्पा' ने बॉक्स ऑफिस पर वह कमाल कर दिखाया है जो इससे पहले कभी नहीं हुआ। शनिवार को फिल्म ने अपने हाईएस्ट सिंगल डे का कलेक्शन तोड़ दिया और सबसे ज्यादा 6.10 करोड़ जुटाए। जिसके बाद ही अनुमान लगाया जा रहा था कि इसे रविवार की छुट्टी का भी फायदा मिलेगा।

और शोज जोड़े गए

ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने ट्वीट कर बताया कि 'पुष्पा ने तीसरे वीकेंड में जिस तरह का उछाल लिया है वह अल्लू अर्जुन के स्टारडम को दर्शाता है। 17वें दिन रविवार को देशभर में और अधिक शो जोड़े गए हैं।'

पार किया 300 करोड़ का आंकड़ा

ऐसे में फिल्म का कलेक्शन और ज्यादा होने की उम्मीद है। हिन्दी वर्जन में फिल्म जल्द ही 75 करोड़ कमा लेगी। फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन पर नजर डालें तो यह 300 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है।

अल्लू अर्जुन को भी नहीं थी उम्मीद

हिन्दी में मिल रही सफलता पर अल्लू अर्जुन ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमने यह उम्मीद नहीं की थी।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इसे हिन्दी में इसलिए रिलीज कर रहे थे ताकि इसका टेस्ट किया जा सके लेकिन मुझे खुशी है कि इसने इतनी अच्छी कमाई की है।'

अल्लू अर्जुन कहते हैं कि 'हमारे यहां अलग-अलग शैलियों में फिल्में बनती हैं- गाने, मारपीट, ड्रामा, लव स्टोरी और कॉमेडी। भारतीय फिल्में ऐसी ही होती हैं। अगर आप पश्चिमी फिल्मों को देखें तो वो केवल एक या दो शैलियों पर बनती हैं। यह हॉरर-कॉमेडी, थ्रिलर या एक्शन होती हैं लेकिन हमारे यहां अलग-अलग तरह की फिल्में होती हैं। इसी फॉरमेट की वजह से हमें सफलता मिली है।'

जॉन अब्राहम और उनकी वाइफ को हुआ कोरोना

कोरोना ने एक बार फिर अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। मामले दोगुनी तेजी से बढ़ रहे हैं। फिल्म और टीवी इंडस्ट्री पर तो कोरोना का प्रकोप बुरी तरह बरस रहा है। आए दिन कोई न कोई सिलेब्रिटी इसकी चपेट में आ रहा है। अब ऐक्टर जॉन अब्राहम और उनकी वाइफ प्रिया को भी कोरोना संक्रमण हो गया है।

जॉन ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट लिखा, जिसमें बताया कि वह और वाइफ कैसे कोरोना की चपेट में आए।

जॉन अब्राहम ने लिखा है, '3 दिन पहले मैं एक शख्स के संपर्क में आया, जिसके बारे में मुझे बाद में पता चला कि वह कोविड पॉजिटिव था। अब प्रिया और मुझे कोविड हो गया है और हम दोनों घर पर ही क्वारंटीन हैं। हमें किसी के भी संपर्क में नहीं हैं। हम दोनों का ही वैक्सीनेशन हो चुका है और हल्के-फुल्के लक्षण हैं। प्लीज अपना ख्याल रखिए और सुरक्षित रहिए। मास्क पहने रहिए।

अजय देवगन 2022 में करेंगे धमाका

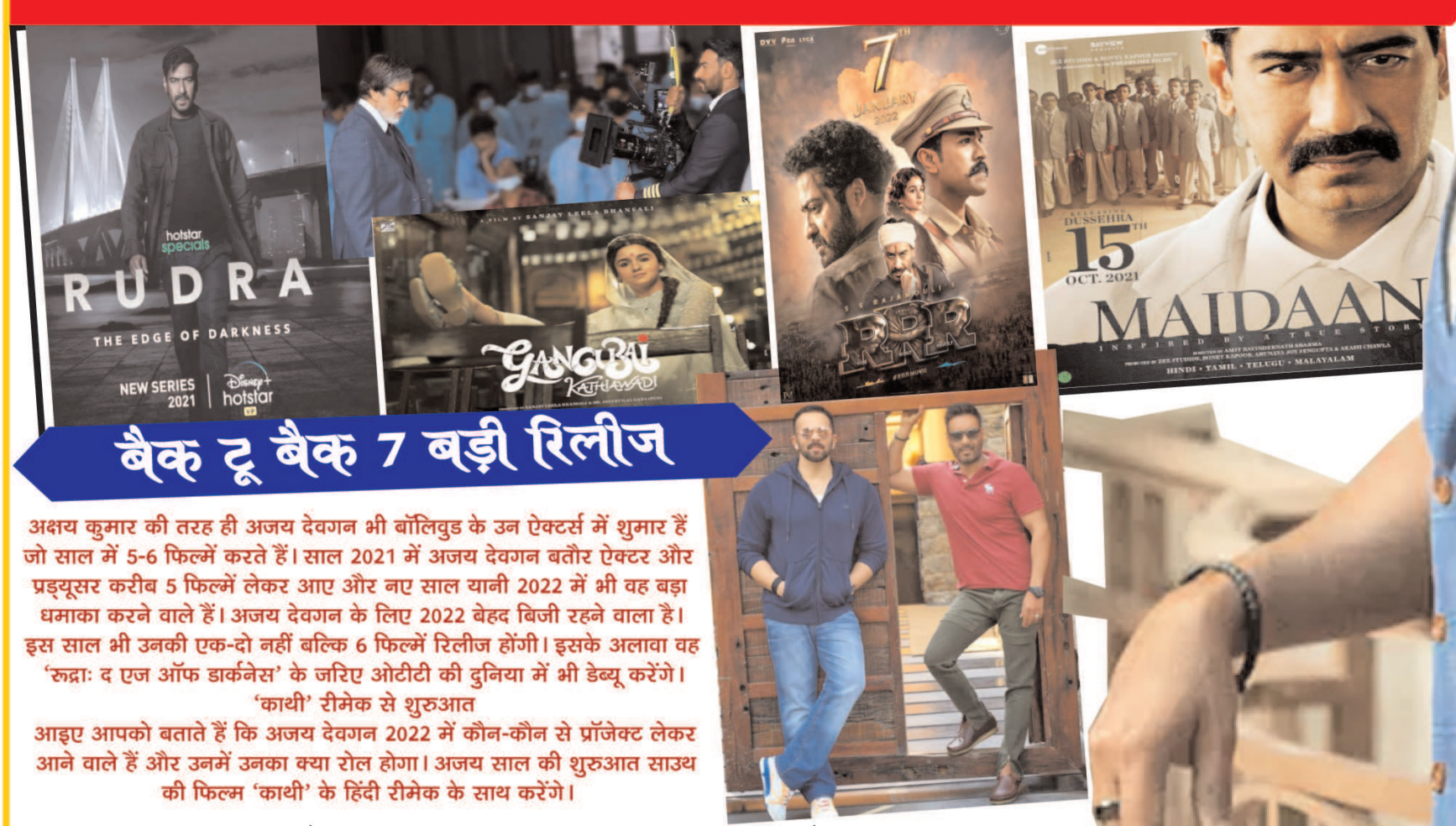

बैक टू बैक 7 बड़ी रिलीज

अक्षय कुमार की तरह ही अजय देवगन भी बॉलिवुड के उन ऐक्टर्स में शुमार हैं जो साल में 5-6 फिल्में करते हैं। साल 2021 में अजय देवगन बतौर ऐक्टर और प्रड्यूसर करीब 5 फिल्में लेकर आए और नए साल यानी 2022 में भी वह बड़ा धमाका करने वाले हैं। अजय देवगन के लिए 2022 बेहद बिजी रहने वाला है। इस साल भी उनकी एक-दो नहीं बल्कि 6 फिल्में रिलीज होंगी। इसके अलावा वह 'रुद्राः द एज ऑफ डार्कनेस' के जरिए ओटीटी की दुनिया में भी डेब्यू करेंगे।

'काथी' रीमेक से शुरुआत

आइए आपको बताते हैं कि अजय देवगन 2022 में कौन-कौन से प्रॉजेक्ट लेकर आने वाले हैं और उनमें उनका क्या रोल होगा। अजय साल की शुरुआत साउथ की फिल्म 'काथी' के हिंदी रीमेक के साथ करेंगे।

9 साउथ फिल्मों का रीमेक कर चुके हैं अजय देवगन

अजय देवगन इससे पहले 9 साउथ इंडियन फिल्मों के हिंदी रीमेक में काम कर चुके हैं और 'काथी' उनकी 10वीं फिल्म होगी। अजय ने इससे पहले जिन साउथ इंडियन फिल्मों का हिंदी रीमेक किया है, उनमें 'दृश्यम', 'ऐक्शन जैक्सन', 'सिंघम', 'हिम्मतवाला' और 'सन ऑफ सरदार' जैसी फिल्में शामिल हैं।

'रुद्रा' के जरिए डिजिटल वर्ल्ड में डेब्यू

बात करें अजय देवगन के डिजिटल डेब्यू की तो उनकी सीरीज 'रूद्रः द एज ऑफ डार्कनेस' को डिजिटल की दुनिया की सबसे बड़ी सीरीज बताया जा रहा है और यह फरवरी के आखिर या फिर मार्च 2022 में रिलीज हो सकती है।

'रनवे 34' में पहली बार अमिताभ को किया डायरेक्ट

इसके बाद अजय देवगन अपनी एक नई फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे, जिसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। अजय देवगन के लिए 2022 का समर टाइम काफी अहम और बिजी है। उस दौरान उनकी फिल्म 'रनवे 34' रिलीज होगी, जिसे ऐक्टर ने डायरेक्ट किया है और साथ में ऐक्टिंग भी। यह फिल्म अजय देवगन के लिए बेहद खास है क्योंकि ऐसा पहली बार है जब उन्होंने किसी फिल्म में अमिताभ बच्चन जैसे स्टार को डायरेक्ट किया है। 'रनवे 34' 29 अप्रैल को रिलीज होगी।

'आरआरआर' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी'

इन फिल्मों के अलावा अजय देवगन एसएस राजामौली की मच अवेटेड फिल्म 'आरआरआर' में नजर आएंगे। फिल्म में भले ही अजय का कैमियो है, लेकिन वह काफी दमदार रोल है, जिसके लिए ऐक्टर भी ऐक्साइटेड हैं। 'आरआरआर' में जूनियर एनटीआर, राम चरण तेजा और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। इसके बाद अजय देवगन के पास संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' है। इसमें भी अजय का कैमियो है और लीड रोल में आलिया भट्ट हैं। जहां मेकर्स ने कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच 'आरआरआर' की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया है, वहीं चर्चा है कि 'गंगूबाई काठियावाड़ी' 18 फरवरी 2022 को रिलीज हो सकती है।

'मैदान' 3 जून को रिलीज

इसके बाद जून में अजय देवगन की एक और फिल्म 'मैदान' सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म फुटबॉल पर आधारित है, जिसमें अजय देवगन फुटबॉल कोच सईद अब्दुल रहीम के किरदार में हैं। 'मैदान' 3 जून 2022 को रिलीज होने के आसार हैं।

'थैंक गॉड'

इसके बाद 'थैंक गॉड' 29 जुलाई को रिलीज होगी, जिसमें अजय देवगन के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह हैं। इस कॉमिडी फिल्म में भी अजय का दमदार रोल है।

'सिंघम 3' समेत 2 बड़े प्रॉजेक्ट्स की शूटिंग

इस फिल्म के रिलीज होने के बाद अजय देवगन, रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम 3' की शूटिंग में बिजी हो जाएंगे। 'सिंघम 3' 2023 में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन फिल्मों के अलावा अजय देवगन जल्द ही दो बड़े प्रॉजेक्ट्स की अनाउंसमेंट कर सकते हैं, जिनके बारे में फिलहाल कोई डीटेल सामने नहीं आई है।

'सर्कस' में भी दिखेंगे

'सिंघम 3' के अलावा अजय देवगन रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' में भी नजर आएंगे। यह 15 जुलाई 2022 को रिलीज होगी फिल्म में रणवीर सिंह, पूजा हेगड़े, जैकलीन फर्नांडिस, वरुण शर्मा, सिद्धार्थ जाधव और जॉनी लीवर जैसे कलाकार हैं। अजय बीते साल रोहित की फिल्म 'सूर्यवंशी' में भी दिखे थे।

मार्को, ओलिवियर और रबाडा ने भारतीय टीम को समेटा

द. अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन भारत पहली पारी में 202 रन पर ढेर

जोहानसबर्ग। तेज गेंदबाजों मार्को जेन्सन (31 रन पर चार विकेट), डुएन ओलिवियर (64 रन पर तीन विकेट) और कैगिसो रबाडा (64 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन सोमवार को चायकाल के बाद पहली पारी में 202 रन पर समेट दिया।

भारत की तरफ से कप्तानी संभाल रहे लोकेश राहुल ने 50 और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 46 रन बनाए। राहुल ने हनुमा विहारी के साथ 42 और ऋषभ पंत के साथ 25 रनों की शानदार साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने इसके जवाब में स्टंप्स तक 18 ओवर में एक विकेट खोकर 35 रन बना लिए हैं। स्टंप्स के समय कप्तान डीन एल्गर 11 रन और कीगन पीटरसन 14 रन बनाकर क्रीज थे। दिन के खेल के अंतिम लम्हों में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आया और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा। भारत को दुआ करनी होगी कि उनकी चोट अधिक गंभीर नहीं हो और वह कल गेंदबाजी कर पाएं। भारत का शीर्ष और मध्यक्रम एक बार फिर कुद खास नहीं कर सके मयंक अग्रवाल (26) अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर सके और जेन्सन का पहला शिकार बने। इसके बाद चेतेश्वर पुजारा तीन और अजिंक्य रहाणे शुन्य हनुमा विहारी 20 ऋषभ पंत सिर्फ 17 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अश्विन ने शानदार खेल दिखाते हुए भारतीय टीम को सम्मानजक स्कोर तक पहुंचाया। बुमराह ने नाबाद 14 रन बनाकर भारत को 200 रन के पार पहुंचाया।

अर्धशतक जड़ते ही दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए केएल राहुल

लोकेश राहुल ने इस मुकाबले में अपने करियर का 13वां अर्धशतक पूरा किया। 29 साल के राहुल बतौर कप्तान अपने पहले टेस्ट में अर्धशतक लगाने के साथ ही राहुल ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। राहुल अब उन भारतीय कप्तानों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने बतौर कप्तान पहले ही टेस्ट में अर्धशतक लगाया है। राहुल से पहले, विजय हजारे 1951 में (नाबाद 164 रन), सुनील गावस्कर (116 रन) और विराट कोहली (115 रन) बतौर कप्तान अपने पहले टेस्ट में अर्धशतक जड़ चुके हैं। उनके अलावा सौरव गांगुली (84 रन), चंदू बोर्डे (69), हेमू अधिकारी (63) और नारी कॉन्ट्रैक्टर (62) भी अपने बतौर टेस्ट कप्तान अपने पहले मैच में अर्धशतक लगा चुके हैं। राहुल साथ ही पांचवें ऐसे भारतीय कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने पारी की शुरुआत करते हुए 50 से अधिक का स्कोर बनाया है। सुनील गावस्कर इस लिस्ट में सबसे आगे हैं, जिन्होंने 25 मौकों पर यह आंकड़ा पार किया है।

पहली बार राहुल को मिली भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज के दूसरे टेस्ट में कोहली की गैर मौजूदगी में कप्तान बने। इसके साथ ही राहुल पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और सुनील गावस्कर के साथ स्पेशल क्लब में शामिल हो गए हैं। यह पहली बार है कि राहुल किसी फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। टेस्ट मैच के बाद राहुल तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी कप्तानी करेंगे, जोकि 19 जनवरी से खेला जाएगा। कप्तान बनते ही राहुल 1990 में अजहरुद्दीन के बाद पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने सीमित ओवरों में कप्तान बनने से पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम की कमान संभाली है।

टेस्ट में पहली बार गोल्डन डक हुए रहाणे

अजिंक्य रहाणे दूसरे टेस्ट में गोल्डन डक का शिकार हुए। हालांकि रहाणे के टेस्ट क्रिकेट में पहला गोल्डन डक जरूर था लेकिन इससे पहले भी वह नौ बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। रहाणे के पिछली 19 पारियों को देखें, तो वे कुछ खास नहीं कर पाए हैं।

पीठ में अकड़न की वजह से कोहली बाहर

दूसरे टेस्ट में कोहली की जगह राहुल टॉस के लिए आए। राहुल ने बताया कि कोहली पीठ के ऊपरी हिस्से में अकड़न के कारण इस टेस्ट से बाहर हो गए हैं। कोहली की जगह हनुमा विहारी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। श्रेयस अय्यर भी पेट खराब होने के चलते मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे।

पुजारा-रहाणे के पास टेस्ट करियर बचाने के लिए सिर्फ एक पारी: गावस्कर

चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे इस मैच में दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए। इसके बाद सुनील गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान कहा कि जिस तरह से दोनों आउट हुए हैं, उसके हिसाब से उनके पास टेस्ट करियर बचाने के लिए सिर्फ एक पारी है।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
केएल राहुल कै. रबाडा बो. मार्को	50	133	9	0
मयंक अग्रवाल कै. वेरेन बो. मार्को	26	37	5	0
पुजारा कै. बवूमा बो. ओलिवियर	03	33	0	0
रहाणे कै. पीटरसन बो. ओलिवियर	00	01	0	0
हनुमा विहारी कै. वान डुसेन बो. रबाडा	20	53	3	0
पंत कै. वेरेन बो. मार्को	17	43	1	0
रवि अश्विन कै. पीटरसन बो. मार्को	46	50	6	0
शार्दुल कै. पीटरसन बो. ओलिवियर	00	05	0	0
मोहम्मद शमी कै. एंव बो. रबाडा	09	12	1	0
बुमराह नाबाद	14	11	2	1
मोहम्मद सिराज कै. वेरेन बो. रबाडा	01	06	0	0

अतिरिक्त: 16, कुल: 63.1 ओवर में 202 रन पर ऑलआउट **विकेट पतन:** 1-36, 2-49, 3-49, 4-91, 5-116, 6-156, 7-157, 8-185, 9-187, 10-202 **गेंदबाजी:** कगिसो रबाडा 17.1-2-64-3, डुएन ओलिवियेर 17-1-64-3, लुंगी एनगिडी 11-4-26-0, मार्को जेन्सन 17-5-31-4, केशव महाराज 1-0-6-0,

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी	रन	गेंद	4	6
डीन एल्गर नाबाद	11	57	1	0
एडन मारक्रम पगबाधा शमी	07	12	1	0
कीगन पीटरसन नाबाद	14	39	2	0

अतिरिक्त: 03, कुल: 18 ओवर में एक विकेट पर 35 रन **विकेट पतन:** 1-14 **गेंदबाजी:** जसप्रीत बुमराह 8-3-14-0, मोहम्मद शमी 6-2-15-1, मोहम्मद सिराज 3.5-2-4-0, शार्दुल ठाकुर 0.1-0-0-0,

मोहम्मद हफीज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

कहा, मैं क्रिकेट को गर्व और संतोष के साथ अलविदा कहता हूं

कराची। पाकिस्तान के अनुभवी एवं सीनियर ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की।

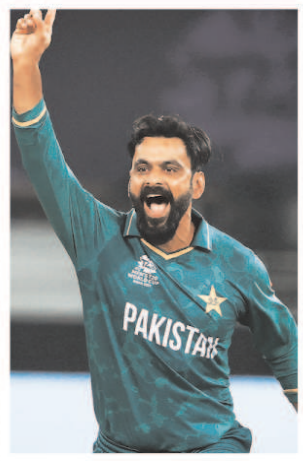

हफीज ने कहा, मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को गर्व और संतोष के साथ अलविदा कहता हूं। मैंने शुरुआत में जितना सोचा था, उससे अधिक कमाया और हासिल किया है और इसके लिए मैं अपने सभी साथी क्रिकेटरों, कप्तानों, सपोर्ट स्टाफ और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरे करियर के दौरान मेरी मदद की। मैं बहुत भाग्यशाली और गौरवान्वित हूं कि मुझे 18 वर्षों तक पाकिस्तान के लिए खेलने का अवसर मिला। हफीज ने पाकिस्तान के लिए अपना आखिरी मैच टी-20 वर्ल्डकप 2021 में खेला था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए 12780 रन बनाए हैं। पिछले कुछ सालों से सिर्फ टी-20 क्रिकेट ही खेल रहे थे। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मैच 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। वहीं उनका आखिरी टेस्ट मैच 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ था। हफीज ने 2003 में अपने करियर की शुरुआत की थी।

हफीज का अंतरराष्ट्रीय करियर

हफीज ने पाकिस्तान के लिए ओवरऑल 55 टेस्ट, 218 वनडे और 119 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और सभी प्रारूपों में 12,780 रन बनाए हैं और 253 विकेट लिए हैं। उन्होंने 32 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी भी की। वह इंग्लैंड एंड वेल्स में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 जीतने वाली पाकिस्तान टीम के सदस्य भी थे। हफीज ने टी-20 में 2514 रन बनाए, और 61 विकेट हासिल किए। वहीं टेस्ट की 105 पारियों में उन्होंने 3652 रन बनाए और 53 विकेट भी निकाले। वनडे में 218 मैचों में उनके नाम 6614 रन और 139 विकेट हैं।

छह टी-20 वर्ल्ड कप खेले

2007 से 2021 तक 7 टी-20 मैच खेले गए हैं। इनमें से हफीज 6 टी-20 वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा थे। इस दौरान 2009 में वह वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे।

32 बार प्लेयर ऑफ द मैच बने

हफीज ने 32 बार प्लेयर ऑफ दे मैच का खिताब अपने नाम किया। शाहिद अफरीदी (43), वसीम अकरम (39) और इंजमाम उल हक (33) इस मामले में हफीज से आगे हैं। हफीज ने नौ बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब भी जीता है।

रणजी ट्रॉफी: मुंबई के शिवम दुबे व बंगाल टीम के सात सदस्य कोरोना पॉजिटिव

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कोरोना की एंट्री

नई दिल्ली। 13 जनवरी से शुरू हो रही रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट से पहले कोरोना ने दस्तक दे दी है। दरअसल, बंगाल रणजी टीम के सात सदस्य और मुंबई के ऑलराउंडर व टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी शिवम दुबे और टीम के वीडियो विश्लेषक का कोरोना संक्रमित पाए गए। अब दुबे की जगह साईराज पाटिल को मुंबई की 20 सदस्यीय रणजी टीम में शामिल किया गया है।

मालूम हो कि शिवम दुबे ने अब तक भारत के लिएएक वनडे और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को महाराष्ट्र और दिल्ली के खिलाफ होने वाले मैचों के लिए मुंबई की शुरुआती टीम में शामिल किया गया था। इन सभी सदस्यों को आइसोलेट कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार बंगाल की टीम में कोरोना के सात मामले आने के बाद मुंबई के साथ उसका अभ्यास मैच भी रद्द कर दिया गया है। इस बार बंगाल की टीम ग्रुप बी में है। उसके साथ विदर्भ, राजस्थान, केरल, हरियाणा और त्रिपुरा की टीम है। बंगाल का पहला मैच 13 जनवरी से त्रिपुरा के खिलाफ होना है।

बंगाल के छह खिलाड़ी व एक सहायक कोच संक्रमित

बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव स्नेहाशीष गांगुली ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के बढ़ते हालातों को देखते हुए बंगाल के सभी खिलाड़ियों आरटीपीसीआर टेस्ट कराया गया था और कुछ खिलाड़ियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस मामले में हर तरह की जरूरी सावधानियां बरती जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बंगाल रणजी टीम के सुदीप चटर्जी, अनुस्तुप मजूमदार, काजी जुनैद सैफी, गीत पुरी, प्रदीप्त प्रमाणिक, सुरजीत यादव और सहायक कोच सौराशीष लाहिड़ी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। इन सभी सदस्यों को बाकी खिलाड़ियों से अलग कर दिया गया है।

सार समाचार

सकलैन मुश्ताक ने पाकिस्तान के अंतरिम कोच के पद से दिया इस्तीफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अंतरिम मुख्य कोच सकलैन मुश्ताक ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले साल सितंबर में मिस्बाह-उल-हक के इस्तीफा देने के बाद उन्हें अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया था। समझा जाता है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब सकलैन की जगह एक विदेशी कोच को नियुक्त करने के लिए तैयार है। पीसीबी प्रमुख रमीज राजा ने कहा, मैंने पाकिस्तान टीम के भविष्य और उसके प्रबंधन के बारे में सकलैन, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के साथ चर्चा की है और आम राय पाकिस्तान टीम में एक विदेशी कोच को शामिल करने की है।

अहमदाबाद के मुख्य कोच होंगे नेहरा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा अहमदाबाद आईपीएल टीम के मुख्य कोच होंगे जबकि इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज विक्रम सोलंकी इसके क्रिकेट निदेशक होंगे। विश्व कप विजेता भारत के पूर्व कोच गैरी कर्स्टन इस टीम के मेंटोर होंगे। आईपीएल के एक सूत्र ने कहा,आशीष अहमदाबाद टीम के मुख्य कोच होंगे। सोलंकी क्रिकेट निदेशक और बल्लेबाजी कोच होंगे जबकि कर्स्टन इसके मेंटोर होंगे। अहमदाबाद टीम अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं कर सकती क्योंकि लेटर आफ इंटेटमिलने के बाद ही यह किया जा सकता है ।

रोहित शर्मा और भुवनेश्वर कुमार के साथ ट्रेनिंग करते नजर आए शिखर धवन

नई दिल्ली। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत क्रिकेट टीम की घोषणा की गई थी। इसके बाद इस टीम के सदस्य अपनी ट्रेनिंग सेशन शुरू करने के लिए मुंबई में इकट्ठे हुए थे। इस बीच सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने ट्रेनिंग सेशन की एक तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। जिसमें शिखर के अलावा धाकड़ बल्लेबाज रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार दिखाई दे रहे हैं। धवन ने अपने पोस्ट में लिखा की इन दोनों चैंपियन (रोहित शर्मा और भुवनेश्वर कुमार) को देखकर अच्छा लगा। इनके साथ ट्रेनिंग करना हमेशा मजेदार होता है।

मोमिनुल हक व लिटन दास की शतकीय साझेदारी से बांग्लादेश को बढ़त

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे दिन स्टंप्स तक 6 विकेट खोकर बनाए 401 रन

माउंट मोनगानुई। कप्तान मोमिनुल हक (88) और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास (86) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 158 रन की साझेदारी के दम पर बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट मैच के तीसरे दिन स्टंप्स तक 6 विकेट पर 401 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इतना ही नहीं उसने पहली बार एक खास मुकाम हासिल किया है। एशिया के बाहर बाद में बैटिंग करते हुए बांग्लादेश ने पहली बार किसी टीम के खिलाफ बढ़त हासिल की है।

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 328 रन बनाए थे। बांग्लादेश ने इस तरह पहली पारी में 73 रन की बढ़त हासिल कर ली है और उसके चार विकेट शेष है। यह विदेशी मैदान पर बांग्लादेश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है। बांग्लादेश ने उपमहाद्वीप से बाहर किसी भी प्रारूप में न्यूजीलैंड को नहीं हराया है। तीसरे दिन स्टंप्स के समय यासिर अली (11) और मेहदी हसन मिराज (20) क्रीज पर मौजूद थे। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 175 रन से की। उस समय महमुदुल हसन जॉय 70 रन पर नाबाद थे। नील वैगनर ने दिन के तीसरे ओवर में हालांकि उन्हें आउट कर न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिलाई। हसन ने 78 रन बनाने के दौरान सात चौके जड़े। इसके बाद मोमिनुल और लिटन ने इसके बाद हालांकि शानदार बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को 52 ओवर तक सफलता से दूर रखा। मोमिनुल ने 147 गेंद में अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया जबकि दास ने 93वें गेंद में अपना 11 वां अर्धशतक लगाया। बोल्ट ने हालांकि आखिरी घंटे के खेल के दौरान चार ओवर के अंदर मोमिनुल और लिटन को आउट कर टीम की कुछ हद तक वापसी कराई। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने अब तक 156 ओवर की गेंदबाजी की है जिसमें वैगनर ने 38 ओवर में 98 रन देकर तीन जबकि बोल्ट ने 30 ओवर में 61 रन देकर तीन विकेट लिए हैं।

मिस्बाह उल हक कोरोना संक्रमित

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं मुख्य कोच मिस्बाह उल हक सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। स्थानीय समाचार चैनल जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच मिस्बाह ने अमेरिका की यात्रा की थी और स्वदेश लौटने पर किए गए कोरोना टेस्ट में वह पॉजिटिव पाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि यह दूसरी बार है जब मिस्बाह कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। पिछले साल टेस्ट और टी-20 सीरीज पूरी करने के बाद वेस्ट इंडीज से पाकिस्तान टीम की लाहौर वापसी की पूर्व संध्या पर मिस्बाह की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। परिणास्वरूप उन्हें जमैका की राजधानी किंग्स्टन में 10 दिनों के लिए क्वारंटीन में रहना पड़ा था।

24 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं दिखेंगी विलियम्स बहनें

सेरेना के बाद वीनस भी ग्रैंडस्लैम से हटीं

मेलबर्न। साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में 24 साल बाद विलिम्यस बहनों में से कोई भी ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में खेलते हुए नहीं दिखेगी। छोटी बहन सेरेना के बाद 41 वर्षीय वीनस भी 17 जनवरी से शुरू होने वाले इस ग्रैंडस्लैम से हट गईं।

वर्ष 1998 में पहली बाद दोनों बहनों ने एक साथ इस टूर्नामेंट में खेलना शुरू किया था। उसके बाद से दोनों में एक हर साल इसमें खेलती रहीं। यह पहला मौका होगा जब इस बार दोनों बहनों में से कोई भी चुनौती पेश नहीं करेंगी। वीनस दस साल (2012) में पहली बार तो 40 वर्षीय सेरेना चार साल (2018) बाद इसमें नहीं खेलेंगी। वहीं यह कुल पांचवां मौका है जब दोनों बहनें इस टूर्नामेंट में अपना दम नहीं दिखाएंगी। सात बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस टांग में चोट के चलते अगस्त के बाद से कोर्ट पर नहीं उतरी हैं। इससे वह रैंकिंग में 318वें नंबर पर खिसक गई हैं। वीनस दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन (2003, 2017) के फाइनल में पहुंचीं पर खिताब नहीं जीत पाईं। दोनों ही बार उन्हें सेरेना के हाथों मात मिली। यह लगातार दूसरा मौका होगा जब छह बार के मेलबर्न चैंपियन रोजर फेडरर भी इसमें नहीं खेलेंगे। वहीं दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने भी अभी इसमें खेलने की पुष्टि नहीं की है।

पीकेएल: पटना पाइरेट्ड को मिली आखिरी रेड पर जीत

बेंगलुरु। मैच की आखिरी रेड पर हासिल एक अंक की बदौलत तीन बार के चैम्पियन पटना पाइरेट्ड ने प्रो कबड्डी लीग के आठवें सीजन के 31वें मुकाबले में तेलुगू टाइटंस को 31-30 के अंतर से हरा दिया। यह पटना की लगातार तीसरी और कुल चौथी जीत है जबकि टाइटंस को तीसरी हार मिली है। यह एकमात्र टीम है, जिसका जीत का खाता अब तक नहीं खुल सका है। पटना ने इस मैच में लगातार लीड ले रखी थी लेकिन टाइटंस ने वापसी करते हुए सीजन की पहली जीत का प्रयास किया लेकिन वह नाकाम रही। पटना की टीम इस जीत के साथ 12 टीमों की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है जबकि टाइटंस 11वें स्थान पर हैं। पटना के लिए डिफेंडर नीरज ने शानदार खेल दिखाते हुए चार अंक बटोरे। स्टार रेड मोनु गोयत (7) सबसे सफल रेडर रहे जबकि सचिन तंवर (6) ने उनका बखूबी साथ दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले मेंकप्तान मनिंदर सिंह और हरफनमौला मोहम्मद नबी बख्श के शानदार प्रदर्शन के दम पर गत चैम्पियन बंगाल वारियर्स ने जयपुर पिंक पैंथर्स को 31-28 से हराया।

स्पेन, पोलैंड व अर्जेंटीना की एटीपी कप में लगातार दूसरी जीत

सिडनी। स्पेन, अर्जेंटीना और पोलैंड ने एटीपी कप टेनिस प्रतियोगिता में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां 3-0 के समान अंतर से जीत दर्ज की जो उनकी लगातार दूसरी जीत है। राबर्टो बातिस्ता आगुट ने कैस्पर रूड को 6-4, 7-6 (4) से हराकर स्पेन को नार्वे पर 2-0 से अजेय बढ़त दिलायी। इससे पहले पाब्लो कारेनो बुस्टा ने विक्टर दुरासोविच को 6-3, 6-3 से हराया था। इस टीम प्रतियोगिता में आगुट का एकल में रिकार्ड अब 9-2 हो गया है। उधर कामिल मैजक्रैक ने अलेक्सांद्र बख्शी को 6-1, 6-1 से हराकर पोलैंड को जार्जिया पर शुरुआती बढ़त दिलायी।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
170 = 8	669 = 1
379 = 9	140 = 5

शुभांक

दिन	रात
350 = 8	334 = 0
590 = 4	688 = 2

भाग्यांक
2 4 6 9
www.kalyangame.com

ला लिगा: गेटाफे ने रोका रीयाल मैड्रिड का विजय रथ

15 मैचों का अजेय अभियान थमा, गेटाफे ने 1-0 से हराया

बार्सिलोना। रीयाल मैड्रिड का पिछले तीन महीनों और सभी प्रतियोगिताओं में 15 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में गेटाफे के हाथों 1-0 की हार के साथ ही थम गया।

लीग में शीर्ष पर चल रहे रीयाल मैड्रिड की टीम दो सप्ताह के अवकाश के बाद अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई। गेटाफे के स्ट्राइकर इनेस उनाल ने नौवें मिनट में डिफेंडर एडेर मिलिताओ से गेंद छीनी और थिबौट कोर्टिस को छकाकर गोल दागा। उसने इसके बाद आखिर तक अपनी इस बढ़त को कायम रखा। इस हार के बावजूद रीयाल मैड्रिड ने दूसरे स्थान पर काबिज सेविला पर आठ अंक की बढ़त बना रखी है। रीयाल मैड्रिड ने इससे पहले अपना आखिरी मैच तीन अक्टूबर को गंवाया था। इसके बाद उसने सभी प्रतियोगिताओं में 13 मैच जीते और दो मैच ड्रॉ करवाये थे। इस बीच बार्सिलोना ने 10 खिलाड़ियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बावजूद मालोर्का को 1-0 से हराया। अब तक बमुश्किल आजमाए गए लुक डि जोंग ने कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का फायदा उठाया। इस स्ट्राइकर ने 44वें मिनट में बार्सिलोना की तरफ से गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। मौजूदा चैंपियन एटलेटिको मैड्रिड ने एक अन्य मैच में एंजेल कोरिया के दो गोल की मदद से रायो वालेकानो को 2-0 से पराजित किया। सेल्टा विगो भी इगोस ऐस्पास के दो गोल से रीयाल बेटिस को 2-0 से हराने में सफल रहा। अन्य मैचों में एल्ची ने ग्रेनाडा के खिलाफ गोलरहित ड्रा और रीयाल सोसिडाड ने एल्विस के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलकर अंक बांटे।

चेल्सी ने लिवरपूल को ड्रॉ पर रोका

लंदन। चेल्सी ने शुरू में दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके लिवरपूल को प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता के रोमांचक मैच में 2-2 से ड्रॉ पर रोका जिसका सीधा फायदा मैनचेस्टर सिटी को मिला।इस मैच के परिणाम के बाद शीर्ष पर काबिज सिटी की दूसरे नंबर के चेल्सी पर बढ़त 10 अंक की हो गई है। सिटी के 21 मैचों में 53 जबकि चेल्सी के इतने ही मैचों में 43 अंक हैं। लिवरपूल 20 मैचों में 42 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। लिवरपूल ने सादियो माने (नौवें मिनट) और मोहम्मद सलाह (26वें मिनट) के गोल से पहले आधे घंटे में ही 2-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। चेल्सी की तरफ से मैटियो कावोसिच ने 42वें मिनट में पहला गोल दागा जबकि क्रिस्टियन पुलिसिच ने इंजुरी टाइम में गोल करके मध्यांतर से पहले ही अपनी टीम को बराबरी दिला दी थी।अन्य मैचों में ब्राइटन ने एलेक्सिस मैक एलिस्टर के दो गोल की मदद से एवर्टन को 3-2 से, ब्रेंटफोर्ड ने एस्टन विला को 2-1 से और लीड्स ने बर्नले को 3-1 से पराजित किया।

पटना को मिली आखिरी रेड पर जीत, टाइटंस को करना होगा इंतजार

बेंगलुरू। मैच की आखिरी रेड पर हासिल एक अंक की बदौलत तीन बार के चैम्पियन पटना पाइरेट्ड ने शेराटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड में जारी लीग के आठवें सीजन के 31वें मुकाबले में तेलुगू टाइटंस को 31-30 के अंतर से हरा दिया। यह पटना की लगातार तीसरी और कुल चौथी जीत है जबकि टाइटंस को तीसरी हार मिली है। यह एकमात्र टीम है, जिसका जीत का खाता अब तक नहीं खुल सका है। पटना ने इस मैच में लगातार लीड ले रखी थी लेकिन टाइटंस ने वापसी करते हुए सीजन की पहली जीत का प्रयास किया लेकिन वह नाकाम रही। पटना की टीम इस जीत के साथ 12 टीमों की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है जबकि टाइटंस 11वें स्थान पर हैं। पटना के लिए डिफेंडर नीरज ने शानदार खेल दिखाते हुए चार अंक बटोरे। स्टार रेड मोनु गोयत (7) सबसे सफल रेडर रहे जबकि सचिन तंवर (6) ने उनका बखूबी साथ दिया। दूसरी ओर सिद्धार्थ देसाई की गैरमौजूदगी में अंकित बेनीवाल (10 अंक) ने बेहतरीन खेल दिखाया लेकिन वह अपनी टीम की जीत का खाता नहीं खोल सके।देसाई की एबसेंस के बावजूद टाइटंस ने शुरुआती चार मिनट में 4-2 की लीड ले ली थी। राकेश गौड़ा लगातार अंक ले रहे थे लेकिन डिफेंस सुस्त था।

वैक्सीन के लिए बीकानेर में लगी किशोरों की कतार

15 से 18 साल के युवाओं ने पहले ही दिखाया जोश,बीकानेर में 1.77 लाख को डोज को लगेगी पहली डोज

बीकानेर (कासं)।

कोरोना की तीसरी लहर से पहले बीकानेर में पंद्रह से 18 साल तक के युवाओं को वैक्सीन लगाने का सिलसिला शुरू हो गया है। बीकानेर में इस आयु वर्ग में पहली डोज राकेश को लगी, जिसने वैक्सीन लगाने के बाद सभी मित्रों को भी वैक्सीन लगाने का संदेश दिया। बीकानेर के लगभग सभी अस्पतालों में सोमवार को वैक्सीन लगाने वालों में इन किशोरों की कतार सबसे लंबी नजर आई। उधर, केंद्रीय विद्यालय में भी बच्चों को वैक्सीन

लगाई गई। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल परिसर में स्थित जिरियेट्रिक अस्पताल में इस आयु वर्ग के युवाओं का बकायदा स्वागत किया गया। परिसर में जगह जगह रंगोली सजाई गई। जिसमें कोरोना से डरने की नहीं बल्कि लड़ने का संदेश दिया गया। इस केंद्र पर कोविड प्रभारी डॉ. नवल गुप्ता ने बताया कि बीकानेर में एक लाख 77 हजार बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगनी है। हेल्थ डिपार्टमेंट चाहता है कि कुछ दिन में ही इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाए। दरअसल, बीकानेर में एक दिन में एक लाख लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। अधिकांश किशोर वैक्सीन का महत्व समझते हैं और वैक्सीन से डर जैसा कुछ नहीं है। ऐसे में ये लक्ष्य जल्द ही पूरा होगा। इस आयु वर्ग में पहली वैक्सीन लगाने वाले राकेश का कहना है कि जब वैक्सीन लगना शुरू हुआ था, तब से मैं इसके लिए तैयार था। राकेश ने अपने हम उम्र मित्रों से कहा कि वो जल्द से जल्द वैक्सीन लगाने के लिए अस्पताल में पहुंचे। इससे न तो दर्द हो रहा है और न ही कोई और परेशानी।

स्कूल में लगेगी वैक्सीन

पंद्रह से 18 साल के बच्चों को स्कूल में ही वैक्सीन लगाने की तैयारी की जा रही है। सीएमएचओ डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि सभी स्कूल्स से बातचीत हो रही है। शिक्षा विभाग के साथ मिलकर स्कूल में इस आयुवर्ग के स्टूडेंट्स की संख्या ली गई है। जहां जितने स्टूडेंट्स होंगे, वहां उतने टीके लगाए जाएंगे। स्कूल के माध्यम से ये लक्ष्य जल्दी हासिल हो जाएगा।

लगातार आयुक्त बदलने को लेकर महापौर ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

बीकानेर (कासं)। 2 दिन पहले हुए नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना के स्थानांतरण के बाद नगर निगम महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर लगातार आयुक्त बदलने से आमजन को हो रही दिक्कतों एवं प्रशासन शहरों के संग अभियान की धीमी रफ्तार से अवगत करवाया है। महापौर ने पत्र में निकायों के संदर्भ में लगातार आयुक्त बदलने से आ रही समस्याओं के बारे में लिखा है। महापौर ने पत्र के माध्यम से शीघ्र लंबे समय तक स्थिर रूप से आईएएस की नियुक्ति हेतु निवेदन किया है। गौरतलब है की पिछले 2 साल में 8 आयुक्त बदले जा चुके हैं। एक बार फिर अभिषेक खन्ना के तबादले से नगर निगम आयुक्त पद खाली हो गया है।

बीकानेर में कोरोना की फिफ्टी

एक्टिव केस पचास तक पहुंचे, पीबीएम सुपरिंटेंट परमेंद्र सिरोही सहित चार नए पॉजिटिव केस

बीकानेर (कासं)। बीकानेर में कोरोना धीरे धीरे खतरनाक मोड पर आ रहा है। जिले में एक्टिव केस की संख्या बढ़कर एक बार फिर पचास तक पहुंच गई है, वहीं पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. परमेंद्र सिरोही स्वयं कोरोना पॉजिटिव आ गए हैं। पिछले लंबे अर्से से स्वयं डॉ. सिरोही रोगियों को देख रहे थे। पीबीएम अस्पताल में भर्ती रोगियों में ही लगातार कोरोना पॉजिटिव मिल रहे हैं, ऐसे में अब तक यहां के दो डॉक्टर फिर से संक्रमित हो चुके हैं। कोरोना की पहली डोज लगवाने वाले डॉ. सिरोही के पॉजिटिव होने के साथ ही पीबीएम अस्पताल के सभी डॉक्टर्स अलर्ट मोड पर आ गए हैं। न सिर्फ मास्क लगाया जा रहा है बल्कि अन्य सावधानी भी बरती जा रही है। अस्पताल में भर्ती होने वाले सभी रोगियों की कोविड जांच की जा रही है। ऑपरेशन से पहले भी सभी की कोविड जांच की जा रही है। पीबीएम अस्पताल का एक रेजिडेंट डॉक्टर भी पहले पॉजिटिव आ चुका है, इसके अलावा सेटेलाइट अस्पताल का एक डॉक्टर भी पॉजिटिव आया है। डॉक्टर्स के साथ साथ एक बार फिर पुलिसकर्मी भी चपेट में आ रहे हैं। पुलिस लाइन से एक 31 वर्षीय जवान पॉजिटिव आया है। वहीं गोलछा मोहल्ला में एक और पॉजिटिव केस 17 साल के युवक का है। लाली बाई बगीची के पास 32 साल की एक महिला भी कोरोना संक्रमित हो गई है। इसके साथ ही बीकानेर में कोविड एक्टिव रोगियों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है।

भेजे अश्लील मैसेज, मंगेतर ने तोड़ी सगाई

अजमेर में आटा-साटा में हुआ था रिश्ता, युवती ने केस भी दर्ज कराया

अजमेर (कासं)। आटे-साटे में सगाई और अश्लील मैसेज भेजने का आरोप लगाकर अब तोड़ दी। अश्लील मैसेज भेजने का आरोप भी होने वाले पति पर लगाया। इधर, पीड़िता के भाई की आरोपी युवक की बहन से शादी भी हो चुकी है। मामला अजमेर के नसीराबाद सिटी का है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। नसीराबाद सिटी के,स्ढ्ढ व जांच अधिकारी आरिफ खान ने बताया कि पीड़िता की मां ने रिपोर्ट में बताया कि गत 7 अगस्त 2020 को उसकी नाबालिग पुत्री की सगाई भिनाय के रघुनाथ गढ़ निवासी हेमराज के साथ हुई थी। वहीं, पीड़िता के भाई की शादी आरोपी की बहन से हुई थी। सगाई के बाद दोनों में फोन पर बात शुरू हो गई।

RPVT की काउंसलिंग

पंद्रह जनवरी तक रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे स्टूडेंट्स, वेटरनरी युनिवर्सिटी ने फिर से बढ़ाई डेट्स, ये अंतिम अवसर हो सकता है

बीकानेर (कासं)।

बीकानेर स्थित वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक एवं सम्बद्ध वेटरनरी कॉलेजों में उपलब्ध स्टेट कोटा सीटों पर BVSc & AH डिग्री कोर्स (सत्र 2021-22) में प्रवेश आवंटन के लिए RPVT-2021 ऑनलाईन काउंसलिंग के लिए एक अवसर और दिया गया है।

राजस्थान वेटरनरी युनिवर्सिटी ने रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ाकर अब पंद्रह जनवरी 2022 कर दी है। पूर्व में निर्धारित 31 दिसम्बर, 2021 से बढ़ाकर अब 15 जनवरी की गई है। उम्मीद की जा रही है कि डेट्स बढ़ने का ये अंतिम अवसर होगा। दरअसल, अब मेडिकल कॉलेज में एडमिशन का प्रोसेस भी शुरू हो गया है। ऐसे में आगे डेट्स बढ़ने की उम्मीद कम है। चेयरमैन, केन्द्रीय स्नातक प्रवेश मण्डल प्रो. आर.के. सिंह ने बताया कि बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. सत्र 2021-22 में प्रवेश के लिए काउंसलिंग हेतु ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन आवश्यक है जो कि 15 जनवरी, 2022 तक जारी रहेगा। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.rajuvas.org पर उपलब्ध है। प्रदेश के सात वेटरनरी कॉलेज में एडमिशन होने हैं, जिसमें तीन सरकारी व चार प्राइवेट है। इन सभी में इसी काउंसलिंग के माध्यम से एडमिशन दिया जाएगा। आमतौर पर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन की काउंसलिंग खत्म होने के बाद स्टूडेंट्स वेटरनरी की ओर जाते हैं। ऐसे में इस बार भी वेटरनरी कॉलेज में एडमिशन मेडिकल कॉलेज के बाद ही खत्म होंगे।

बीकानेर में बारिश के आसार, गिरेगा तापमान

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर, जयपुर और जोधपुर सहित पांच संभागों में होगी बारिश, ओले भी गिरेंगे

बीकानेर (कासं)। राजस्थान में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से दो दिन बाद मावठ होने की संभावना है। जिसके प्रभाव से तापमान गिरेगा और सर्दी बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार 4 जनवरी के बाद बीकानेर, जोधपुर, अजमेर व जयपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश (मावठ) शुरू होने की संभावना है। 5 जनवरी को इस सिस्टम का सबसे ज्यादा असर रहेगा। इससे पूर्वी राजस्थान में जयपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, झुंझुनूं, सीकर, टोंक जिले में बारिश के साथ ओला वृष्टि की प्रबल संभावना है। अलवर व दौसा जिले में मेघगर्जन के साथ बारिश की संभावना है। इसी तरह, पश्चिमी राजस्थान में बीकानेर, चुरू, जोधपुर व नागौर जिले में भी आकाशीय बिजली

के साथ बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। वहीं, बाड़मेर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, पाली व श्रीगंगानगर में मेघगर्जन होगा।

6 जनवरी को बारिश में कमी आएगी, 7 को फिर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा

मौसम विभाग के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया कि इसके बाद 6 जनवरी को बारिश की गतिविधि में कमी होगी। फिर से 7 जनवरी से एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के राज्य में सक्रिय होने की संभावना बनी है। राजस्थान के ऊपर एक नया पश्चिमी विक्षोभ 4 जनवरी से सक्रिय होने से दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोन सर्कुलेशन बन रहा है।

किसानों से मंडियों में धान खाद्यान्न को भीगने से बचाने की सलाह: इससे अरब सागर की खाड़ी से आने वाली हवाओं के साथ नमी बढ़ने की प्रबल संभावना है। इसके प्रभाव से मावठ के आसार बन रहे है। मौसम विभाग ने अजमेर, बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के जिलों में मंडियो में धान को भीगने से बचाने की सलाह दी है। इसके अलावा रवि की फसलों में सिंचाई और किसी भी प्रकार का रासायनिक छिड़काव कुछ समय के लिए रोकने की सलाह दी है।

राजस्थान में प्रमुख जिलों का न्यूनतम तापमान: 2 जनवरी को शाम 6 बजे जारी मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में सबसे कम तापमान करौली में 3.6 डिग्री, फतेहपुर में 4 डिग्री, संगरिया में 4.2 डिग्री, चुरू में 4.9 डिग्री, अलवर में 5 डिग्री, सीकर में 5.5 डिग्री, पिलानी में 5.9 डिग्री रहा। इसके अलावा जयपुर में 8.3 डिग्री, अजमेर में 9 डिग्री, बाड़मेर में 11.7 डिग्री, बीकानेर में 8.8 डिग्री, जैसलमेर में 10 डिग्री, जोधपुर में 12.1 डिग्री, कोटा में 10.3 डिग्री, श्रीगंगानगर में 7.4 डिग्री, डबोक उदयपुर में 9.5 डिग्री, भीलवाड़ा में 7.8 डिग्री, वनस्थली में 6.1 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 8.4 डिग्री, धौलपुर में 6.6 डिग्री, नागौर में 7.1 डिग्री, टोंक में 13.4 डिग्री, बूंदी में 8.3 डिग्री, डूंगरपुर में 13 डिग्री, जालौर में 11 डिग्री, सिरोही में 10.6 डिग्री तापमान रहा।

हेल्थ डिपार्टमेंट फिर एक्शन मोड पर

घटिया और बदबूं दे रहे नमकीन की फैक्ट्री पर छापा, भारी मात्रा में सामान जब्त किया

बीकानेर (कासं)।

फूड प्रोडक्ट्स के नियमों की पालना नहीं करने वाली फर्मों के खिलाफ बीकानेर प्रशासन ने एक बार फिर कार्रवाई का सिलसिला शुरू कर दिया है। पिछले दिनों भारी मात्रा में घटिया मावा पकड़ने का दावा करने वाले प्रशासन नेअब एक नमकीन फैक्ट्री पर कार्रवाई की है, जहां भार मात्रा में सामान भी जब्त किया गया है। विभाग का दावा है कि फूड प्रॉडक्ट्स तय मानकों के हिसाब से नहीं है। हेल्थ डिपार्टमेंट से फूड इंस्पेक्टर ने पुलिस बल के साथ सोमवार को करणी इंडस्ट्रियल एरिया में अग्रसेन इंडस्ट्रीज के यहां छापा मारा। इस दौरान वहां कई ब्रांड के भुजिया, नमकीन व स्नेक्स बरामद किए गए। बड़ी मात्रा में मसाला और बदबूदार नमकीन भी पुलिस ने बरामद किया है। जिला कलक्टर नमित मेहता के आदेश पर हुई इस कार्रवाई में सीएमएचओ डॉ. बी.एल. मीणा भी पहुंचे। जांच अधिकारी डॉ.राजेंद्र और फूड इंस्पेक्टर महबूब अली ने गोदाम में रखा सामान जब्त कर लिया है। इन सभी के नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे। आमतौर पर हर प्रॉडक्ट पर एक्सपायरी डेट्स लगी होती है लेकिन इस फर्म में मिले सामान पर ऐसी कोई डेट्स नही है। इससे पहले भी हेल्थ डिपार्टमेंट ने घटिया मावा बरामद किया था। करीब पंद्रह सौ किलो मावे के सेम्पल भी जांच के लिए भेजे गए हैं। सीएमएचओ डॉ. बी.एल. मीणा ने अपने पूर्व कार्यकाल में भी कई मिठाई व नमकीन की दुकानों पर छापे मारे थे। उनकी रिपोर्ट पर भी बाद में सवाल खड़े किए गए। एक बार फिर ये सिलसिला शुरू हो गया है।

गांव से छह किलोमीटर दूर ट्यूबवेल

सीएम गहलोत ने स्वीकृत किया ट्यूबवेल, अधिकारियों ने गांव से 6 किलोमीटर दूर बनाना शुरू कर दिया

बीकानेर (कासं)।

श्रीडूंगरगढ़ के गजपुरा में रहने वाले किसानों के साथ सरकारी तंत्र ट्यूब वैल के नाम पर मखौल कर रहा है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में किसानों ने एकत्र होकर सोमवार को प्रधान के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराया। दरअसल, ग्रामीणों के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सिफारिश पर एक ट्यूबवेल स्वीकृत किया गया। ये ट्यूबवेल लखासर ग्राम पंचायत के गजपुरा में बनना था। पिछले दिनों पता चला कि ट्यूबवेल तो बन रहा है लेकिन गांव से पांच किलोमीटर दूर बन रहा है। किसानों का कहना है कि पीने के पानी के लिए अगर पांच किलोमीटर दूर ही जाना है तो इस ट्यूबवेल की जरूरत ही क्या है? गांव के किसान सोमवार को श्रीडूंगरगढ़ पंचायत समिति पहुंचे। यहां आपत्ति दर्ज करवाई है। प्रधान

पति केसराराम गोदारा से बात कर ट्यूबवेल गांव में बनाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीणों की अनदेखी करते हुए गांव से 5 किलोमीटर दूर सड़क के पार किसी निजी खेत में ट्यूबवेल करवाया जा रहा है। गांव से इतनी दूर ट्यूबवेल ग्रामीणों के किसी काम नहीं आएगा। ग्रामीणों ने प्रधान प्रतिनिधि से गुहार लगाई कि ट्यूबवेल उस जगह लगाया जाए जहां उसका उपयोग ग्रामीणों के हित में हो। इस पर केसराराम गोदारा ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर ट्यूबवेल ग्रामीणों की राय जानकर ही लगाने के निर्देश दिए।

निजी भूमि पर क्यों बनेगा?

सरकारी नियमों के मुताबिक सार्वजनिक हित के लिए बनने वाला ट्यूबवेल किसी के खेत में नहीं लगाया जा सकता। ऐसे में स्वीकृत ट्यूबवेल किसानों की राय से सार्वजनिक स्थान पर ही बनाया जा सकता है।

कांस्टेबल की धमकी से बुजुर्ग ने किया सुसाइड

बीकानेर (कासं)। करधनी थाना इलाके में एक सूदखोर पुलिस कॉन्स्टेबल की धमकियों से परेशान बुजुर्ग के मामले में ढाई महीने बाद भी आरोपी कॉन्स्टेबल पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। मामले के अनुसार करधनी इलाके के कमला नगर निवासी बुजुर्ग महावीर शर्मा (61) ने एक कांस्टेबल की धमकियों से परेशान होकर 13 अक्टूबर को करधनी थाना इलाके में गोकुलपुरा फाटक पर ट्रेन से कटकर सुसाइड कर लिया था। मृतक की जेब में मिले सुसाइड नोट में सूदखोर कांस्टेबल द्वारा प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के चलते सुसाइड होना बताया गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने करधनी थाने में सूदखोर कॉन्स्टेबल प्रताप सिंह चौधरी के खिलाफ नामजद मामला भी दर्ज करवाया। करधनी थाने ने जब मामले की जांच की और आरोपी को गिरफ्तार करना चाहा तो आरोपी कॉन्स्टेबल प्रताप सिंह चौधरी ने करधनी थाने से फाइल को झोटवाड़ा थाने में ट्रांसफर करवा लिया।

पुलिस पूछताछ में कहा- पाबू की गोली से मरा था कॉन्स्टेबल ओंकार; हथियार फौजी ने ही दिलाए

खौफ में राजू फौजी, बोला- मैंने कॉन्स्टेबल को नहीं मारा

भीलवाड़ा (कासं)। कुख्यात तस्कर राजू फौजी के पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद राज खुलने लगे हैं। 10 अप्रैल की उस रात की कहानी भी सामने आने लगी है, जिसमें कॉन्स्टेबल को मार दिया गया था। राजू फौजी से रायला थाने की नाकाबंदी को लेकर पुलिस अधिकारियों ने पूछताछ की। उसमें कई चौंकाने वाले खुलासे किए। फौजी ने बताया कि उसने नाकाबंदी तोड़ने के दौरान गोली नहीं चलाई थी। फौजी ने बताया कि पाबूराम गोरसिया ने पुलिस पर फायर किए थे। यह सभी हथियार इन तस्करों को फौजी ने ही उपलब्ध करवाए थे। वारदात के बाद जोधपुर पहुंचने पर फौजी ने हथियार वापस ले लिए थे। पुलिस ने फौजी की निशानदेही पर बाड़मेर में उसके गांव डोली स्थित उसके घर से वह सभी हथियार बरामद कर लिए हैं। राजू को जोधपुर व बाड़मेर में मौका तस्दीक करवाने के बाद फिर से उसे भीलवाड़ा जेल भेज दिया गया है। यहां उसकी रायला थाने में दर्ज मामले में शिनाख्त परेड की जाएगी। एसपी आदर्श सिद्धू ने बताया कि कड़ी सुरक्षा में हथियार बरामद करने के लिए राजू को उसके गांव डोली ले जाया गया था। वहां से पुलिस ने एक रिवॉल्वर और उसके 17 कारतूस, एक देसी कट्?टा बरामद किया है। यह वही हथियार हैं, जिनसे इन तस्करों ने कोटड़ी व रायला थाना पुलिस पर फायर किए थे।

आम सूचना

श्री चिरंजीलाल गोयल पुत्र श्री भगवन्तराम जी निवासी सिंधी कॉलोनी, गंगापुर सिटी की मृत्यु 05.05.2019 को हो गई है एवं मृतक की पत्नी श्रीमती रेशम देवी की मृत्यु दिनांक 14.07.2017 को हो गई है। मृत्यक के विधिक वारिसान इनके पांच पुत्र खेमराज गोयल, हरीशंकर, योगेश कुमार, मुकेश कुमार एवं रामकुमार हुए हैं। इनमें से योगेश कुमार की मृत्यु दिनांक 07.01.2007 में हो गई थी। योगेश कुमार के विधिक वारिसान इनकी पत्नी शारदा देवी एवं तीन पुत्र अरविन्द, विरेन्द्र, विजय हैं। श्री चिरंजीलाल गोयल के नाम से औद्योगिक भूखण्ड नं. जी 79-80 रीको औद्योगिक क्षेत्र सालोदा में स्थित है। इस जायदाद के लिए किसी को कोई उज्र हो तो अंदर म्याद 7 दिवस में उप पंजीयक कार्यालय गंगापुर सिटी में पेश करें।

खेमराज गोयल
श्यामसुन्दर वर्मा, एडवोकेट
पंचायत भवन के पास,
महूकलां, गंगापुर सिटी,
जिला- सवाईमाधोपुर (राज.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति बबलू जोगी के नाम से एक मोटरसाइकिल पंजीकृत है। जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ 25 SP 8051 है। मेरे पति का स्वर्गवास हो चुका है। अब मैं इस मोटरसाइकिल को अपने नाम हस्तान्तरण करवाना चाहती हूँ। अतः किसी को आपत्ति हो तो सात दिवस में जिला परिवहन अधिकारी, सवाईमाधोपुर को सूचित करें।

शीला जोगी पत्नी स्व. बबलू जोगी, उदेई खुर्द, जिला- सवाईमाधोपुर (राजस्थान)।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति राजहंस मीना के नाम से एक इण्डिगो कार पंजीकृत है। जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ 34 CA 0930 है। मेरे पति का स्वर्गवास हो चुका है। अब मैं इस इण्डिगो कार को अपने नाम हस्तान्तरण करवाना चाहती हूँ। अतः किसी को आपत्ति हो तो सात दिवस में जिला परिवहन अधिकारी, सवाईमाधोपुर को सूचित करें।

बृजबाई पत्नी स्व. राजहंस मीना, कांकरवाल पट्टी, हीरामन के पास, उदेईखुर्द, सवाईमाधोपुर (राजस्थान)।

देश का सबसे बड़ा सोलर पार्क बीकानेर में कोयला संकट के बीच सरकार सोलर उत्पादन पर दे रही है ध्यान

RVUNL और RRECL को पूगल में मिली जमीन

बीकानेर (कासं)। कोयले की कमी से जूझ रहे राजस्थान को बिजली संकट से बचाने के लिए थर्मल के बजाय अब सोलर का सहारा लिया जाएगा। प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश का सबसे बड़ा सोलर पार्क बीकानेर के पूगल में स्थापित होने जा रहा है, जहां से चार हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। फिलहाल राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RVUNL) को दो हजार मेगावाट और शेष दो हजार राजस्थान रिन्युएबल एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड (RRECL) की ओर से लगाया जाएगा। हालांकि अकेले बीकानेर से सरकार का लक्ष्य छह हजार मेगावाट का उत्पादन करना है। जिला कलक्टर नमित मेहता ने पिछले दिनों बीकानेर के पूगल में सोलर पार्क के लिए भूमि आवंटित की है। ये पार्क पूगल के रामसर छोटा बंदरवाला में है। यहां RVUNL खुद 810 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाएगा, जबकि शेष जमीन पर प्राइवेट फर्म को ठेका दिया जाएगा। ये फर्में राजस्थान सरकार को बिजली कम कीमत पर उपलब्ध कराएगी। RVUNL की ओर से इस प्रोजेक्ट को लगाने के लिए कंसलटेंसी फर्म का टेंडर निकाल दिया गया है। जो प्राइवेट फर्म ज्यादा से ज्यादा लाभ सरकार को दे सकेगी, उसके साथ अलग अलग प्रोजेक्टर में करीब साढ़े ग्यारह सो मेगावाट का उत्पादन किया जाएगा।

बदल जाएगी पूगल की तस्वीर

बीकानेर के पूगल तहसील में अधिकांश जमीन बारानी है। जहां खेती नहीं हो पा रही है। इंदिरा गांधी नहर का पानी भी अधिकांश एरिया में नहीं पहुंच रहा। ऐसे में दूर तक रेत के धोरे नजर आते हैं। अब यह तस्वीर बदलने वाली है। करीब चार हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन यहां से होने पर न सिर्फ रोजगार बढ़ेगा, बल्कि जमीनों की कीमत भी आने वाले दिनों में महंगी हो सकती है।

देश का सबसे बड़ा पार्क

ज्ञात रहे 2000 मेगा वाट का एकल सोलर पार्क हिंदुस्तान के इतिहास में सबसे बड़ा सोलर पार्क में से एक होगा बीकानेर जिले के लिए यह एक बहुत बड़ी सौगात है बड़ी तादाद में सोलर कंपनियां इस पार्क में टेंडर करने वाली है जिससे यहां रोजगार के कई बड़े विकल्प खुलने वाले हैं। बीकानेर में सोलर प्रोजेक्ट डायरेक्टर भूपेश का कहना है कि दो हजार मेगावाट का सोलर पार्क RVVNL की ओर से विकसित किया जा रहा है। इसके लिए भूमि आवंटित करने का प्रोसेस चल रहा है।

कार्यालय- ग्राम पंचायत जाट बडौदा

आम सूचना

प्रमाणित किया जाता है कि स्व. सत्येन्द्र सिंह चौधरी पुत्र श्री सूरजमल जाट जाति-जाट की दिनांक 29.04.2021 को मृत्यु हो चुकी है। इनकी मृत्यु के पश्चात निम्नलिखित वारिसान हैं-

1. किरण चौधरी पत्नी सत्येन्द्र सिंह चौधरी, 2. राधा चौधरी पुत्री सत्येन्द्र सिंह चौधरी, 3. अनुराधा चौधरी पुत्री सत्येन्द्र सिंह चौधरी, 4. हर्षवर्धन चौधरी पुत्र सत्येन्द्र सिंह चौधरी, 5. सूरज चौधरी पुत्र सत्येन्द्र सिंह चौधरी

इनके अलावा इनका कोई वारिसान नहीं है। मैं इनको व्यक्तिगत रूप से जानती हूँ। स्व. सत्येन्द्र सिंह चौधरी पुत्र सूरजमल जाट, ग्राम जाट बडौदा, तह. गंगापुर सिटी, जिला- सवाईमाधोपुर (राज.) का मूल निवासी है।

सुमन बाई मीना, सरपंच, ग्राम पंचायत जाट बडौदा, पं. स. गंगापुर सिटी (स.मा.)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक पूजा खण्डेलवाल के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर 3-ए-विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिन्धी कॉलोनी, गंगापुर सिटी से प्रकाशित।
प्रबंध सम्पादक विनोद कुमार गुप्ता. मो. 9887454960, ई-मेल:badhtikalam@gmail.com